मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 163
गुरुवार, 25 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

दिल्ली मेट्रो का महाविस्तार, मोदी सरकार ने 12015 करोड़ में 13 नए स्टेशनों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार (24 दिसंबर) को दिल्ली मेट्रो परियोजना के विस्तार को मंजूरी दे दी है, जिसकी लागत 12,015 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करना और यातायात की भीड़ को कम करना है। दिल्ली मेट्रो के चरण 5ए में 13 नए स्टेशन होंगे। प्रस्तावित विस्तार से 16 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन बनेगी जिसमें 13 स्टेशन होंगे - 10 भूमिगत और तीन एलिवेटेड। परियोजना पूरी होने पर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 400 किलोमीटर से अधिक लंबा हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों पर वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण 5ए को मंजूरी दे दी है, जिसमें 13 स्टेशन शामिल होंगे। 12,015 करोड़ रुपये की लागत से 16 किलोमीटर लंबी नई लाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 400 किलोमीटर से अधिक लंबा हो जाएगा। दिल्ली मेट्रो का विस्तार तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक, रामकृष्ण आश्रम से इंद्रप्रस्थ तक और एयरोसिटी से टर्मिनल 1 तक किया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो के चरण 5ए परियोजना के तहत तीन नए कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं: आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)। इस परियोजना की

कुल लंबाई 16.076 किमी है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। आरके आश्रम मार्ग-इंद्रप्रस्थ खंड बॉटनिकल गार्डन-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर का विस्तार होगा। यह सेंट्रल विस्टा क्षेत्र को मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिसका वर्तमान में पुनर्विकास कार्य चल रहा है।

एयरोसिटी-आईजीडी एयरपोर्ट टर्मिनल 1 और तुगलकाबाद-कालिंदी कुंज खंड एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर का विस्तार होंगे और तुगलकाबाद, साकेत, कालिंदी कुंज आदि जैसे राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिणी भागों से हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगे। इन विस्तारों में 13 स्टेशन शामिल होंगे। इनमें से 10 स्टेशन भूमिगत और तीन स्टेशन एलिवेटेड होंगे। मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए वैष्णव ने बताया कि विस्तार परियोजना की अवधि तीन वर्ष है। मंत्री ने आगे कहा, ॽदिल्ली मेट्रो रेल परियोजना के चरण-वीए के निर्माण की समयसीमा तीन वर्ष है। निर्माण कार्य अधिकतर सुरंग खोदने वाली मशीनों का उपयोग करके भूमिगत रूप से किया जाएगा, जिससे यातायात में न्यूनतम बाधा उत्पन्न होगी।

नये दौर की प्रौद्योगिकी के प्रति निराशावादी होने की आवश्यकता नहीं: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता है और नयी प्रौद्योगिकी के प्रति निराशावादी होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

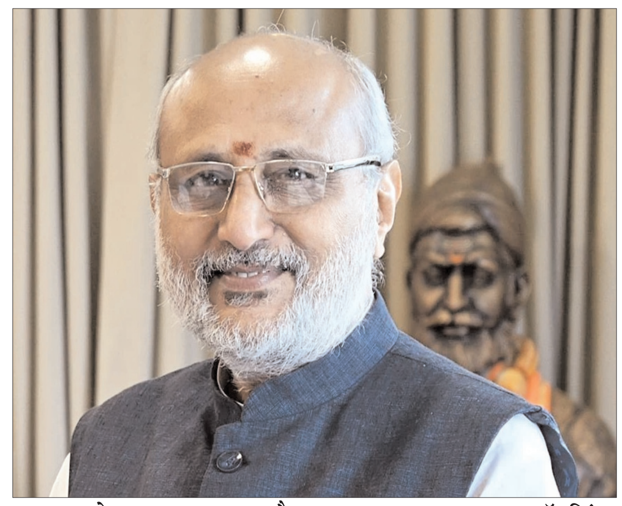

उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) और अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सहयोग से आयोजित एआई विकास सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जब कंप्यूटर का उपयोग शुरू किया गया था, तब उनका विरोध किया गया लेकिन उन्होंने दुनिया को बदल दिया।

एक बयान के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि हर तकनीकी प्रगति के सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों पहलू होते हैं और यह जिम्मेदारी हमारी है कि हम तकनीक का उपयोग सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से करें।

उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए यह रेखांकित किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल भविष्य की कल्पना नहीं है, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि यह उपचार, जलवायु मॉडलिंग, शासन, शिक्षा, वित्त और राष्ट्रीय सुरक्षा समेत कई क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है और समाज की प्रगति तथा व्यक्तियों के जीवन व कार्य करने के तरीके को नया रूप दे रही है।

आप को बड़ा झटका, चंडीगढ़ महापौर चुनाव से पहले दो पार्षद भाजपा में शामिल

चंडीगढ़, 24 दिसम्बर। आम आदमी पार्टी (आप) की दो पार्षदों ने बुधवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। सुमन देवी और पूनम देवी ने जनवरी में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों से पहले अपनी निष्ठा बदली। ऐसी अटकलें हैं कि दोनों पार्षद आज पंचकुला में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकती हैं। इसे भगवा पार्टी के पक्ष में एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है, क्योंकि वह चंडीगढ़ में महापौर पद पर पुनः नियंत्रण पाने के प्रयास कर रही है।

भाजपा की हरप्रीत कौर बाबला चंडीगढ़ की मौजूदा महापौर हैं। उन्होंने 19 वोट हासिल करके चुनाव जीता। क्रॉस-वोटिंग के एक उल्लेखनीय उदाहरण के बाद बाबला को आम आदमी पार्टी-

कांग्रेस गठबंधन से आगे निकलने में मदद मिली, जिसे केवल 17 वोट ही मिल सके। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज पंचकुला में कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मौजूद हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उनके दौरे से पहले, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को उन कार्यक्रमों की अंतिम तैयारियों की समीक्षा की, जिनमें शाह को भाग लेना है।

सैनी ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी हो चुकी हों। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के कुलदीप कुमार को चंडीगढ़ नगर निगम का मेयर घोषित कर दिया था, जिससे पिछले नतीजे पलट गए थे, जिसमें भाजपा उम्मीदवार को पहले विजेता घोषित किया गया था। यह फैसला पिछले साल 20 फरवरी को आया था।

कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा के कारण भारत हिंदू-मुस्लिम समस्याओं का सामना कर रहाः नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कांग्रेस के धर्मनिरपेक्षता के विचार और उसकी वोट बैंक की राजनीति के कारण देश अब भी समाज में हिंदू-मुस्लिम समस्याओं का सामना कर रहा है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अंग्रेजी शब्द सेक्युलर का हिंदी अर्थ सर्व धर्म भाव या सभी के लिए न्याय, किसी का भी तुष्टिकरण नहीं है, न कि धर्मनिरपेक्ष जैसा कि कांग्रेस ने अपनी सोच के आधार पर इसका वर्णन किया है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष गडकरी ने कहा, 1947 के बाद कांग्रेस को देश पर शासन करने का अवसर मिला। अपनी विचारधारा के आधार पर उन्होंने कुछ बीज बोए... आजादी के बाद विभिन्न प्रकार की

हिंदू-मुस्लिम समस्याएं सामने आईं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सेक्युलरवाद और उसके द्वारा दिए गए विवरण ने ही इन समस्याओं को जन्म दिया है, जिनका सामना देश आज भी कर रहा है। गडकरी ने कहा, सेक्युलर शब्द का अर्थ शब्दकोश में देखिए। इसका अर्थ धर्मनिरपेक्ष नहीं है। सेक्युलर का अर्थ है सर्व धर्म समभाव। सभी के साथ न्याय और किसी का तुष्टीकरण न करना ही इसका सच्चा अर्थ है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, दुर्भाग्यवश 1947 के बाद धर्मनिर्पक्षता की परिके रूप में राजनीति में जो समस्या उत्पन्न हुई वह अब भी हमारे लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा वोट बैंक की राजनीति के तहत अपनाई गई नीतियों ने ही इन समस्याओं को जन्म दिया है। गडकरी यहां उदय माहुरकर द्वारा लिखित पुस्तक माई आइडिया ऑफ नेशन फर्स्टः रीडिफाइनिंग अनएलॉयड नेशनलिज्म के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अतीत में हुई गलतियों से सीखने के लिए इतिहास को याद करना आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में वे दोहराई न जाएं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा कही गई बात को दोहराते हुए गडकरी ने कहा, भारत एक सेक्युलर देश है, यह सेक्युलर था और सेक्युलर रहेगा। उन्होंने कहा, यह भाजपा-आरएसएस की वजह से नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, हिंदू संस्कृति और सनातन संस्कृति की वजह से है, जिसमें हम कहते हैं विश्व का कल्याण हो। गडकरी ने नेहरू-गांधी परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, हम कभी नहीं कहते मेरा कल्याण हो, मेरे परिवार का कल्याण हो। गडकरी ने कहा कि पूरे इतिहास में ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है कि किसी हिंदू राजा ने दूसरों के धार्मिक पूजा स्थलों को नष्ट किया हो। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं है, हमारे आनुवंशिकी में नहीं है... हम अधिकारवादी या विस्तारवादी नहीं हैं।

तमिल लोग अपना सिर नहीं झुकाएंगेः एमके स्टालिन

तमिलनाडु, 24 दिसम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी की 52वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक महान व्यक्तित्व बताया, जिन्होंने जनता में आत्मसम्मान, तर्कसंगत विचार और समानता का भाव जगाया। स्टालिन ने अपने एक पोस्ट में कहा कि पेरियार ने झुके हुए लोगों को सीधा किया और उन्हें गरिमा के साथ सिर ऊंचा करके खड़े होने की शक्ति प्रदान की, और अपना पूरा जीवन तमिलनाडु की धरती को समर्पित कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिल लोग कभी भी अपना सिर नहीं झुकाएंगे और न ही किसी के प्रभुत्व के आगे झुकेंगे, क्योंकि पेरियार के तर्कवाद, मानवतावाद और सामाजिक समानता के आदर्श आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं।

स्टालिन ने एक्स पर लिखा कि झुकी हुई कमर सीधी करके, गरिमा की रक्षा के लिए शान से खड़े होकर, स्वयं को इस धरती को अर्पित करते हुए—पिता पेरियार को जयजयकार और प्रणाम! तमिल लोग न तो सिर झुकाएंगे—न ही प्रभुत्व के आगे झुकेंगे—तर्कसंगत विचार से, साथी मनुष्यों से प्रेम करते हुए और समानता को कायम रखते हुए, क्योंकि यही हमारी जाति का गौरव है; यही उनकी अथक मेहनत के लिए हमारी कृतज्ञता है! शत्रु सेना, पेरियार नामक महान सूर्य को चुराने या पचाने में असमर्थ, व्यर्थ ही ठोकर

खा रही है; यदि #तमिलनाडुएकजुट होकर उनकी कपटपूर्ण योजनाओं को चकनाचूर कर दे, तो विजय सदा हमारी होगी! डीएमके सांसद के. कनमिमोझी ने कहा, आज पिता पेरियार की पुण्यतिथि है, जिन्होंने उस मुक्ति की नींव रखी, जिसकी इस समाज को सदियों से लालसा थी। आने वाली कई पीढ़ियों तक, हम उनकी स्मृति का सम्मान करें, जिन्होंने तमिल समाज की दिशा तय की और अपने सिद्धांतों से हमारा मार्गदर्शन किया। आइए हम उनके अटूट संघर्ष को जारी रखें। ई.वी. रामासामी (पेरियार) ने 1925 में ब्राह्मणवादी वर्चस्व को चुनौती देने और तमिलनाडु में गैर-ब्राह्मण समुदायों के उत्थान के लिए आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया था। अपने जर्नल 'कुड़ी अरसु' के माध्यम से तर्कवाद, लैंगिक समानता और जाति-विरोधी सुधारों की वकालत करके, इस आंदोलन ने द्रविड़ पहचान की एक नई भावना को बढ़ावा दिया और सीधे तौर पर द्रविड़ आंदोलन के उदय का मार्ग प्रशस्त किया। आत्मसम्मान आंदोलन के इतिहास में वर्ष 1925 दो कारणों से महत्वपूर्ण हैः मई में तमिल साप्ताहिक पत्रिका कुड़ी अरसु (गणतंत्र) का प्रकाशन और नवंबर में पेरियार का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग होना। यद्यपि कांग्रेस से उनके अलग होने को आमतौर पर आंदोलन की औपचारिक शुरूआत माना जाता है, लेकिन कुड़ी अरसु ने इससे कुछ महीने पहले ही मद्रास प्रेसीडेंसी में एक नई गतिशीलता ला दी थी।

पुलिया से गिरा डंपर, तीन की मौत, एक लापता

दमोह। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक डंपर ट्रक के ब्रेक फेल होने के बाद पुलिया पर पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर में सवार एक व्यक्ति लापता है।

जिले में बटियागढ़ थाने के प्रभारी रजनी शुक्ला ने बताया कि दमोह से लगभग 45 किलोमीटर दूर एक डंपर ट्रक बक्सवाहा से बटियागढ़ की ओर आ रहा था, तभी गैवलारी की पुलिया पर ब्रेक फेल हो जाने से अनियंत्रित होकर ट्रक 25 फुट नीचे खाई में गिर गया।

इस हादसे में नितेंद्र यादव (42) औरमगरोन निवासी धर्मेंद्र लोधी (35) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल शहबाद हुसैन (45) को इलाज हेतु जबलपुर रेफर किया गया था लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

सूचना

क्रिसमस के शुभ अवसर पर दिनांक 25-12-2025 को उत्तरशक्ति प्रेस एवं कार्यलय बंद रहेगा अगला अंक दिनांक 27-12-2025 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

-ललित गर्ग

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों में खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन हो चुका है, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा

है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से ह्न100 मीटर ऊंचाईह्व जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि ह्ननियंत्रितह्व शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

दिल्ली से लखनऊ लोकसभा हंगामे और विधानसभा शांति का रहस्य

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज समाप्त हो गया। पूरे सत्र में शांति और संयम का परिचय देखने को मिला। हल्की-फुल्की नोकझोंक जरूर हुई, लेकिन ऐसा कोई हंगामा नहीं हुआ कि सदन की कार्यवाही ठप हो जाए। इसके विपरीत, लोकसभा का शीतकालीन सत्र हंगामों की भेंट चढ़ गया था। विपक्ष के शोरगुल के कारण अधिकांश दिन सदन की कार्यवाही धाराशायी रही। सवाल उठता है कि दिल्ली से लखनऊ तक यह इतना बड़ा अंतर क्यों? क्या उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां कमजोर होने से शांति बनी रही? उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत 19 नवंबर 2025 को हुई थी और यह 24 दिसंबर तक चला। स्पीकर सतीश महाना के नेतृत्व में सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सत्र में 98 फीसदी कार्यवाही सुचारू रूप से चली। केवल दो-तीन अवसरों पर विपक्ष ने वॉकआउट किया, लेकिन कोई बड़ा हंगामा नहीं हुआ। समाजवादी पार्टी (सपा), जो मुख्य विपक्षी दल है, ने विधानसभा बजट, महंगाई और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर बहस की मांग की, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सेदारी निभाई। कांग्रेस, बसपा और अन्य छोटे दल भी संयम बरते। सत्र में 12 विधेयक पारित हुए, जिनमें उत्तर प्रदेश लोक सेवा (संशोधन) विधेयक और बजट संबंधी प्रस्ताव शामिल थे। विधानसभा सचिवालय के अनुसार, सत्र की उत्पादकता 85 फीसदी से अधिक रही, जो पिछले पांच वर्षों के औसत से बेहतर है।

इसकी तुलना लोकसभा के शीतकालीन सत्र से करें तो चित्र बिल्कुल उलट है। लोकसभा का सत्र 21 नवंबर से 24 दिसंबर तक निर्धारित था, लेकिन हंगामों ने इसे बर्बाद कर दिया। लोकसभा सचिवालय के आंकड़ों के मुताबिक, 22 बैठकों में से 18 दिन कार्यवाही 5 बजे से पहले स्थगित हो गई। औसत उत्पादकता मात्र 12 फीसदी रही। विपक्ष ने अडानी विवाद, मणिपुर हिंसा और संसदीय समिति रिपोर्टों पर लगातार हंगामा किया। कांग्रेस और सपा ने संयुक्त रूप से स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तक की धमकी दी। 10 दिसंबर को लोकसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित रही, जब विपक्ष सभापति की कुर्सी के पास धरना दे रहा था। राज्यसभा में भी स्थिति ऐसी ही रही, जहां 15 फीसदी से कम कार्यवाही हो सकी। इस अंतर का प्रमुख कारण राजनीतिक शक्ति संतुलन है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा के पास 273 सीटें हैं, सहयोगी दलों समेत बहुमत 300 से अधिक का। सपा के पास 111, बसपा के 17 और कांग्रेस के मात्र 2 विधायक हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 41 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जबकि सपा का 32 फीसदी। यह कमजोरी विपक्ष को आक्रामक हंगामा करने से रोकती है। सपा नेता अखिलेश यादव ने सत्र के दौरान कहा, हम मुद्दों पर बहस चाहते हैं, न कि हंगामा। इसके विपरीत, लोकसभा में स्थिति अलग है। यहां भाजपा के 240 सदस्य हैं, एनडीए समेत 293। लेकिन विपक्ष का इंडिया गठबंधन मजबूत है। कांग्रेस 99, सपा 37, तृणमूल 22 और अन्य के साथ कुल 234 सांसद हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में एनडीए को 43 फीसदी वोट मिले, लेकिन विपक्ष ने 41 प्रतिशत हासिल कर सरकार को अल्पमत साबित किया। यह संख्या बल विपक्ष को हंगामा करने का हौसला देता है।

दूसरा कारण क्षेत्रीय राजनीति का प्रभाव है। उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा जातिगत समीकरणों पर निर्भर हैं। यादव-मुस्लिम गठजोड़ सपा का आधार है, लेकिन 2024 लोकसभा चुनावों में सपा ने 37 सीटें जीतीं, फिर भी विधानसभा में कमजोर बनी। सपा विधायक आनंद भदौरिया ने कहा कि विधानसभा चुनावी माहौल था, विधानसभा में विकास के मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली में सपा के राम गोपाल यादव जैसे नेता राष्ट्रीय मुद्दों पर आक्रामक रहते हैं, लेकिन लखनऊ में स्थानीय दबाव उन्हें संयमित रखता है। कांग्रेस की स्थिति और स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश में उसके 2 विधायक हैं, जबकि लोकसभा में 99 सांसद। प्रियंका गांधी की सक्रियता राष्ट्रीय स्तर पर है, लेकिन राज्य स्तर पर कांग्रेस का कोई वजूद नहीं। लोकसभा में राहुल गांधी की ह्लसंविधान बचाओह्व रणनीति ने विपक्ष को एकजुट किया, जो विधानसभा में संभव नहीं।

तीसरा पहलू स्पीकर की भूमिका और सदन संस्कृति का है। उत्तर प्रदेश में स्पीकर सतीश महाना ने विपक्ष को पर्याप्त समय दिया। सत्र में विपक्ष को 25 प्रतिशत प्रश्नकाल मिला। इसके उलट, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर विपक्ष ने पक्षपात का आरोप लगाया। नियम 184 के तहत बहस रोकने के फैसले विवादास्पद रहे। राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव कहते हैं, लोकसभा में अल्पमत सरकार होने से विपक्ष आक्रामक है, जबकि यूपी में भाजपा का पूर्ण बहुमत शांति सुनिश्चित करता है। ऐतिहासिक आंकड़े भी यही बताते हैं। 2017-2022 में यूपी विधानसभा की औसत उत्पादकता 70 फीसदी रही, जबकि लोकसभा 2024 में 45 फीसदी से नीचे।

चौथा कारण मीडिया और जनता का दबाव है। लखनऊ में स्थानीय मीडिया सदन की कार्यवाही पर फोकस करता है, हंगामा राष्ट्रीय सुर्खियां नहीं बनाता। दिल्ली में टीवी चैनल हंगामे को लाइव दिखाते हैं, जो विपक्ष को प्रोत्साहित करता है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड ने लोकसभा हंगामे को ईंधन दिया। यूपी में ऐसा नहीं। इसके अलावा, आगामी 2027 यूपी विधानसभा चुनाव विपक्ष को संयम बरतने को मजबूर करते हैं, ताकि विकास विरोधी टैग न लगे। बहरहाल, यह विरोधाभास भारतीय लोकतंत्र की विविधता दशार्ता है। जहां संख्या बल मजबूत हो, शांति बनी रहती है, जहां संतुलन नाजुक, हंगामा अपरिहार्य। यदि लोकसभा में विपक्ष यूपी जितना कमजोर होता, शायद सत्र सुचारू चलता। लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में यह संतुलन सरकार को सतर्क रखता है। भविष्य में राज्यसभा चुनाव और 2027 यूपी चुनाव इस गतिशीलता को बदल सकते हैं। फिलहाल, लखनऊ की शांति दिल्ली के लिए सबक है। संख्या के साथ संयम ही लोकतंत्र की जीत है।

योगी के ब्राह्मण और ठाकुर विधायक अलग-अलग लामबंद

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई बार छोटी घटनाएं बड़े सियासी बदलावों का संकेत देती हैं। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान लखनऊ में हुआ एक सहभोज भी कुछ ऐसा ही माना जा रहा है। कुशीनगर से भाजपा विधायक पंचानंद पाठक के सरकारी आवास पर 23 दिसंबर की शाम आयोजित इस कार्यक्रम को बाहर से निजी और पारिवारिक बताया गया, लेकिन इसमें शामिल चेहरों, समय और माहौल ने इसे राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया। सत्र के बीच राजधानी में बड़ी संख्या में ब्राह्मण विधायकों और विधान परिषद सदस्यों का एक साथ जुटना सामान्य नहीं माना जा रहा। जानकारी के मुताबिक, इस सहभोज में करीब 35 से 40 विधायक और एमएलसी शामिल हुए। इनमें अधिकांश भारतीय जनता पार्टी से जुड़े थे, लेकिन कुछ अन्य दलों के ब्राह्मण जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी भी सामने आई। मिजार्पुर से विधायक रत्नाकर मिश्र, देवरिया से डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, बांदा से प्रकाश द्विवेदी, तरबगंज से प्रेम नारायण पांडेय, बदलापुर से रमेश मिश्र, महनौन से विनय द्विवेदी और एमएलसी साकेत मिश्र जैसे नामों ने बैठक को राजनीतिक रूप से अहम बना दिया। भोजन में लिट्टी-चोखा और मंगलवार व्रत का फलाहार परोसा गया, जिसे आयोजकों ने सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा से जोड़ा।

यूपी विधानसभा में मौजूदा समय में ब्राह्मण विधायकों की संख्या 52 बताई जाती है, जिनमें से 46 भाजपा के हैं। यह आंकड़ा खुद में यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता पक्ष में यह समाज कितना प्रभावशाली है। बावजूद इसके, हाल के महीनों में पार्टी के भीतर यह चर्चा जोर पकड़ती रही है कि संगठन और सरकार में संतुलन बदल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी कुर्मी समाज से आने वाले नेता को मिलने के बाद यह भावना और मजबूत हुई कि ब्राह्मण नेतृत्व को अपेक्षाकृत कम अहमियत मिल रही है।उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण समाज का इतिहास लंबा और प्रभावशाली रहा है। आजादी के बाद दशकों तक सत्ता की धुरी ब्राह्मण नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही। 1990 के दशक में मंडल राजनीति के उभार के बाद समीकरण बदले, पिछड़ी और दलित जातियों का राजनीतिक प्रभाव बढ़ा, लेकिन ब्राह्मण समाज पूरी तरह हाशिये पर नहीं गया। उसने समय-समय पर नए राजनीतिक समीकरणों के साथ खुद को जोड़े रखा। यही कारण है कि आज भी यह समाज भले आबादी में 8 से 10 फीसदी माना जाता हो, लेकिन राजनीतिक असर इससे कहीं ज्यादा रखता है।

चुनावी आंकड़े इस प्रभाव को साफ दिखाते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण मतदाताओं का करीब 83 फीसदी समर्थन भाजपा को मिला था। 2022 में यह समर्थन बढ़कर लगभग 89 फीसदी तक पहुंच गया। यानी लगातार दो चुनावों में भाजपा को इस वर्ग से मजबूत समर्थन मिला। प्रदेश की 100 से ज्यादा विधानसभा सीटें ऐसी मानी जाती हैं, जहां ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। बलरामपुर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, जौनपुर, अमेठी, वाराणसी, चंदौली, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में ब्राह्मण आबादी 15 फीसदी से अधिक बताई जाती है। ऐसे में लखनऊ की इस बैठक को केवल सामाजिक सहभोज कहना कई लोगों को अधूरा सच लगता है। राजनीतिक हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह जुटान सिर्फ आपसी मेल-मिलाप थी या इसके पीछे भविष्य की रणनीति भी छिपी है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में खुलकर राजनीति पर तो चर्चा नहीं की गई, लेकिन ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दों पर चिंता जरूर जताई गई। हाल के दिनों में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सामने आई घटनाओं का जिक्र हुआ, जहां ब्राह्मण समाज के साथ अन्याय या उपेक्षा की शिकायतें सामने आई थीं। ऐसे मामलों में संगठित होकर प्रतिक्रिया देने और पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने की बात कही गई।

बताया जा रहा है कि बैठक में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मदद के लिए एक व्यवस्थित ढांचा तैयार करने पर भी बातचीत हुई। इसमें वकील, डॉक्टर, रिटायर्ड अधिकारी और समाज के प्रभावशाली लोगों को जोड़ने की योजना पर विचार किया गया। मकसद यह बताया गया कि जरूरत पड़ने पर समाज अपने स्तर पर मदद कर सके और किसी पर निर्भर न रहे। इसके साथ ही राजनीतिक हिस्सेदारी के सवाल पर भी चर्चा हुई कि आबादी और योगदान के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।सरकार की ओर से इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सतर्क बयान आए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों का मिलना-जुलना स्वाभाविक है और इसे जातीय नजरिए से देखना गलत है। उनका कहना था कि विधायक आपस में मिलते हैं, चर्चा करते हैं और इसे किसी समुदाय विशेष की बैठक कहना सही नहीं है। सत्ता पक्ष के कई अन्य नेताओं ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दी।

विपक्ष ने इस बैठक को भाजपा का आंतरिक मामला बताया, लेकिन साथ ही तंज कसने से भी नहीं चूका। समाजवादी पार्टी के नेताओं का कहना है कि अगर पार्टी के भीतर इस तरह की बैठकें हो रही हैं, तो इसका मतलब है कि असंतोष कहीं न कहीं मौजूद है। कुछ नेताओं ने इसे 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले की बेचैनी के तौर पर देखा राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बैठक अपने आप में कोई बड़ा आंदोलन नहीं है, लेकिन यह संकेत जरूर देती है कि जातीय संतुलन का सवाल फिर से केंद्र में आ रहा है। पिछले कुछ समय में ठाकुर समाज और फिर कुर्मी समाज से जुड़े कार्यक्रमों की चर्चा सामने आई थी। उसी क्रम में अब ब्राह्मण विधायकों की यह जुटान देखी जा रही है। यह दिखाता है कि सत्ता के भीतर अलग-अलग सामाजिक समूह अपनी भूमिका और हिस्सेदारी को लेकर सजग हो रहे हैं। 2027 का विधानसभा चुनाव अभी समय दूर लग सकता है, लेकिन उत्तर प्रदेश की राजनीति में तैयारियां हमेशा पहले शुरू हो जाती हैं। लखनऊ का यह सहभोज उसी शुरूआती तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा के लिए यह चुनौती है कि वह अपने सबसे मजबूत समर्थक वर्गों में संतुलन बनाए रखे, जबकि विपक्ष के लिए यह मौका है कि वह किसी भी असंतोष को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करे। फिलहाल, लखनऊ की उस शाम का सहभोज खत्म हो चुका है, लेकिन उससे उठी राजनीतिक चर्चा अभी थमी नहीं है। आने वाले महीनों में अगर ऐसी बैठकों का सिलसिला बढ़ता है, तो साफ हो जाएगा कि यह केवल सामाजिक मेल-मिलाप नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई बिसात बिछाने की कोशिश है।

विनोद कुमार शुक्ला का ना होना साहित्य आकाश में गहरा शून्य

संजीव ठाकुर

(विनम्र श्रद्धांजलि-नमन)

हंदी साहित्य के उत्तर-आधुनिक विमर्श में विनोद कुमार शुक्ल का अवसान केवल एक रचनाकार का न रह जाना नहीं है, बल्कि उस साहित्यिक नैतिकता का मौन हो जाना है जिसमें भाषा सत्ता, प्रदर्शन और वैचारिक आक्रामकता से मुक्त होकर मनुष्य के सबसे साधारण अनुभवों के साथ खड़ी होती है। 1937 में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल का जीवन किसी असाधारण घटनाक्रम या साहित्यिक आंदोलन की आक्रामकता से नहीं, बल्कि साधारण जीवन, सीमित आवश्यकताओं और आंतरिक सजगता से निर्मित हुआ, और यही साधारणता उनके लेखन की असाधारण शक्ति बनी। उन्होंने साहित्य को न तो वैचारिक घोषणाओं का माध्यम बनाया और न ही शिल्पगत चमत्कार का, बल्कि उसे जीवन की उन परतों के समीप रखा जिन्हें प्रायः साहित्य से बाहर मान लिया जाता है—दैनंदिन श्रम, असफल आकांक्षाएँ, मध्यवर्गीय विवशताएँ, संबंधों की चुप्पी और मनुष्य की अदृश्य गरिमा। उनकी भाषा संरचनात्मक रूप से अत्यंत सरल, किंतु अर्थ की दृष्टि से बहुस्तरीय है वह पाठक को किसी निष्कर्ष तक नहीं ले जाती, बल्कि उसे अनुभूति के एक नैतिक क्षेत्र में प्रवेश करने देती है, जहाँ अर्थ धीरे-धीरे स्वयं खुलता है। ह्यनौकर की कमीज और दीवार में एक खिड़की रहती थी जैसे उपन्यास हिंदी उपन्यास परंपरा में इस दृष्टि से विशिष्ट हैं कि वहाँ कथानक गौण हो जाता है और जीवन की आंतरिक लय प्रधान हो उठती है; ये उपन्यास मध्यवर्गीय अस्तित्व के ऐसे दस्तावेज हैं जहाँ असफलता, प्रतीक्षा और असमाप्त सपने भी मानवीय गरिमा के अंग बन जाते हैं। उनकी कविताएँ—विशेषतः सब कुछ होना बचे रहना, लगभग जयहिंद और ह्यकविता से लंबी कविता—भाषा को न्यूनतम तक ले जाकर संवेदना को अधिकतम करती हैं, यहाँ कविता विचार नहीं थोपती, बल्कि उपस्थिति दर्ज कराती है, और पाठक को जीवन के प्रति अधिक सजग बनाती है। यह संयोग नहीं है कि इतने शांत, विनम्र और अंतमुर्खी लेखक को साहित्यिक संस्थानों ने भी अत्यंत सम्मान के साथ स्वीकार किया; उन्हें ह्यनौकर की कमीज के लिए केंद्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया, जो उनके लेखन की वैचारिक मौलिकता और कलात्मक गहराई की औपचारिक स्वीकृति थी, वहीं हिंदी साहित्य में समग्र योगदान के लिए उन्हें शिखर सम्मान ह्यज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय साहित्य की मुख्यधारा में उनकी मौन, धीमी और मानवीय भाषा कितनी केंद्रीय है। इसके अतिरिक्त उन्हें अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मानों से भी नवाजा गया, किंतु उल्लेखनीय यह है कि पुरस्कार कभी उनके लेखन का उद्देश्य नहीं बने; वे उनके साहित्य के पीछे नहीं चले, बल्कि साहित्य के पीछे-पीछे स्वयं आकर खड़े हो गए। विनोद कुमार शुक्ल का लेखन प्रत्यक्ष राजनीतिक प्रतिरोध का उद्घोष नहीं करता, फिर भी उसमें निहित मानवीय पक्षधरता, बाजार-केंद्रित भाषा से दूरी और सत्ता-विमुख दृष्टि अपने आप में गहरा नैतिक प्रतिरोध रचती है; उनका साहित्य यह प्रश्न करता है कि जब भाषा से करुणा और संवेदना हटा दी जाती है, तब मनुष्य किस रूप में शेष रह जाता है। आज जब साहित्य तीव्रता, तात्कालिकता और वैचारिक ध्रुवीकरण के दबाव में है, विनोद कुमार शुक्ल की रचनाएँ एक वैकल्पिक साहित्यिक चेतना की तरह हमारे सामने उपस्थित हैं—शांत, धीमी और गहरी—और यही कारण है कि उनका न रहना केवल एक रिक्ति नहीं, बल्कि एक ऐसा मौन है जो देर तक सुनाई देता है और हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हम अब भी उतनी मानवीय, उतनी सजग और उतनी विनम्र भाषा में लिख और पढ़ पा रहे हैं, जितनी भाषा विनोद कुमार शुक्ल ने अपने साहित्य के माध्यम से हमें सौंप दी थी।

दिग्विजय सिंह का बंगलादेश की हिंसा को रिएक्शन कहकर समझाना अस्वीकार्य

बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमले केवल एक पड़ोसी देश की आंतरिक समस्या नहीं हैं, बल्कि यह एक गंभीर मानवीय संकट और सभ्य समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे मामलों में शब्दों का चयन उतना ही महत्वपूर्ण होता है जितना कि रुख। इसी संदर्भ में कांग्रेस के नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का यह बयान कि ह्लबांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही कार्रवाइयों का रिएक्शन हैं न केवल राजनीतिक विवाद का विषय बना है, बल्कि नैतिक और वैचारिक स्तर पर भी स्वीकार करने योग्य नहीं है।

यह बयान इसलिए अस्वीकार्य नहीं है कि इस पर आपत्ति जताई जा रही है, बल्कि इसलिए भी अस्वीकार्य है कि यह अपने आप में हिंसा को देखने का एक खतरनाक तरीका प्रस्तुत करता है। हिंसा को प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित करना, उसे अपराध की श्रेणी से हटाकर कारणों की बहस में धकेल देना कभी भी सही नहीं माना जा सकता। हिंसा कभी प्रतिक्रिया नहीं होती। वह हमेशा अपराध होती है। जब किसी समुदाय के घर जलते हैं, मंदिरों को निशाना बनाया जाता है, मासूम लोगों को उनकी पहचान के आधार पर डराया जाता है या मारा जाता है, तब उस हिंसा का कोई सामाजिक, राजनीतिक या ऐतिहासिक औचित्य नहीं हो सकता। ऐसे में रिएक्शन शब्द का इस्तेमाल करना पीड़ितों के दर्द को कमतर आंकने जैसा है।

बांग्लादेश में जिन हिंदू और ईसाई परिवारों पर हमले हुए हैं, वे किसी भारतीय नीति, किसी राजनीतिक बयान या किसी वैचारिक बहस के पक्षकार नहीं हैं। वे वहां के नागरिक हैं और अल्पसंख्यक हैं। जब उनके साथ हो रही हिंसा को भारत की आंतरिक स्थिति से जोड़कर देखा जाता है, तो यह उनके साथ दूसरा अन्याय बन जाता है। पहला अन्याय हमले के रूप में हुआ, दूसरा तब जब उस हमले को किसी और देश की परिस्थितियों की प्रतिक्रिया कह दिया गया। दिग्विजय सिंह ने अपने बयान में यह भी कहा कि वे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की निंदा करते हैं और वहां की अंतरिम सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। लेकिन निंदा तब तक प्रभावी और ईमानदार मानी जाती है, जब तक वह बिना किसी शर्त और बिना किसी लेकिन के हो। जैसे ही निंदा के साथ कारणों की व्याख्या जोड़ दी जाती है, उसका नैतिक बल कमजोर पड़ जाता है। दिग्विजय सिंह का यह कहना कि हम हिंसा की निंदा करते हैं, लेकिन यह किसी प्रतिक्रिया का नतीजा है,असल में हिंसा को एक संदर्भ प्रदान करना है। यही वह बिंदु है जहां यह बयान खतरनाक हो जाता है। हिंसा को समझाने और उसे सही ठहराने के बीच की रेखा बहुत पतली होती है, और इस बयान में वह रेखा धुंधली पड़ जाती है। भारत और बांग्लादेश की परिस्थितियों की तुलना करना भी इस बयान की एक बड़ी कमजोरी है। दोनों देशों की राजनीतिक संरचना, सामाजिक इतिहास और संवैधानिक ढांचा अलग है। भारत में अगर कहीं अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपराध होते हैं, तो वे कानून-व्यवस्था के दायरे में आते हैं और उन पर न्यायिक प्रक्रिया लागू होती है। उन्हें किसी समुदाय के खिलाफ राज्य-नीति के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले वहां की आंतरिक राजनीति, सत्ता परिवर्तन, कट्टरपंथी समूहों की सक्रियता और सामाजिक तनावों से जुड़े हैं। दिग्विजय सिंह जैसे नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे शब्दों के प्रभाव को समझें। वे कोई नए या अनुभवहीन राजनेता नहीं हैं। जब भारत का कोई नेता यह संकेत देता है कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा भारत की स्थिति की प्रतिक्रिया है, तो इससे एक गलत संदेश जाता है और यह संदेश न केवल भारत की छवि को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उन ताकतों को भी तर्क देता है जो हिंसा को जायज ठहराने की कोशिश में रहती हैं। यही कारण है कि इस बयान को महज राजनीतिक विवाद कहकर टालना सही नहीं होगा। इस बयान को किसी भी दृष्टि से स्वीकार नहीं किया जा सकता। न मानवीय आधार पर, न नैतिक आधार पर, न राजनीतिक और न ही कूटनीतिक आधार पर। हिंसा को कारणों की श्रृंखला में बांधकर देखने की प्रवृत्ति अंततः लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती है। सबसे बड़ा खतरा यह नहीं है कि यह बयान विवादों में है। असली खतरा यह है कि अगर ऐसे बयानों को सामान्य मान लिया गया, तो भविष्य में हर हिंसा के लिए कोई न कोई रिएक्शन खोज लिया जाएगा। यही सोच समाज को संवेदनहीन बनाती है और पीड़ितों को हाशिये पर धकेल देती है।

बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले गलत हैं,स्पष्ट, निर्विवाद और बिना किसी शर्त के। उनका कोई रिएक्शन नहीं हो सकता। इस सच्चाई को स्वीकार करना ही लोकतांत्रिक और मानवीय दृष्टि की बुनियाद है और इसी कसौटी पर दिग्विजय सिंह का यह बयान पूरी तरह अस्वीकार्य ठहरता है। (विनायक फीचर्स)

मीरा भायंदर नगर में आस्था, भक्ति और आध्यात्मिकता का एक भव्य उत्सव

शिव महापुराण कथा का भव्य उद्घाटन - लाखों शिव भक्तों की अभूतपूर्व उपस्थिति

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में सनातन परंपरा की महिमा बढ़ाने वाली शिव महापुराण कथा आज मीरा भायंदर शहर में भव्य और शुभ वातावरण में शुरू हुई। विश्वप्रसिद्ध कथाकार और भगवत भूषण पंडित प्रदीप जी मिश्रा की अमृतवाणी के माध्यम से प्रस्तुत की जा रही यह शिव महापुराण कथा 24 से 27 दिसंबर तक दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक और 28 दिसंबर को सुबह 8.00 बजे से 11.00 बजे तक अदानी पावर हाउस के सामने, पोद्दार स्कूल के बगल में, जे.पी. इंफ्रा कॉम्प्लेक्स, हाटकेश, मीरा रोड स्थित मैदान में आयोजित की जा रही है। इस धार्मिक सभा में महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक उपस्थित थे। उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

पहले ही दिन दो लाख से अधिक शिव भक्त उपस्थित थे और उन्होंने इस पवित्र कथा पर सहज और ऐतिहासिक प्रतिक्रिया दी। पूरा क्षेत्र हर हर महादेव की ध्वनि से गुंज उठा था और आस्था, भक्ति और आध्यात्मिकता का एक सागर उमड़ता हुआ प्रतीत हो रहा था। शिव महापुराण कथा पांच दिनों तक चलती है, इस दौरान शिव नाम का जाप, अभिषेक, बेलपत्र अर्पित करना, उपवास, संयम और अच्छे आचरण को विशेष महत्व दिया जाता है। यह कथा भक्तों के जीवन में सकारात्मकता, आध्यात्मिक शांति और आध्यात्मिक जागरूकता का संचार कर रही है। इतनी बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति के बावजूद, आयोजकों ने सुनियोजित योजना, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पीने के पानी की उचित व्यवस्था और स्वच्छता सुनिश्चित की है। इसी कारण यह समारोह शांतिपूर्ण और सफल ढंग से संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री सरनाईक ने कहा, शिव महापुराण की कहानियों का यह भव्य कार्यक्रम विश्वप्रसिद्ध कथाकार और भगवत भूषण पंडित प्रदीप जी मिश्रा की अमृतवाणी के माध्यम से मीरा भायंदर नगर में साकार हो रहा है और

मीरा भायंदर नगर के नागरिकों की अपार प्रतिक्रिया देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। पंडित प्रदीप जी मिश्रा के आगमन से मीरा भायंदर नगर सनातन धर्म, भक्ति और भगवा रंग में सराबोर हो गया है। पिछले वर्ष उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में मीरा भायंदर नगर के हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे मैदान में राज्य माता गौ का दर्जा दिया गया था और इस वर्ष शिव महापुराण की कहानियों के कार्यक्रम से पहले धाराशिव जिले के बाढ़ प्रभावित किसानों को 101 उच्च जाति की गायें दान की गईं। यह पहल मात्र एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण समारोह है जो समाज में एकता, संस्कृति, सद्भावना और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करता है। शिव महापुराण की यह कहानी मीरा भायंदर नगर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान में समाहित हो गई है। इससे एक नया और उज्ज्वल अध्याय जुड़ गया है। शेष चार दिनों में, शिव भक्तों को बड़ी संख्या में भाग लेना चाहिए और इस पवित्र शिव महापुराण कथा से लाभ उठाना चाहिए।

हमें कामयाब होने के लिए अपनी सफलता का मार्ग खुद बनाना होगा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अगर जिंदगी में कोई मकसद हासिल करना है सफल होना है तो पत्थर और पत्थरों को चीरकर अपना रास्ता खुद बनाना होगा, इन शब्दों के साथ समता शिक्षण संस्था की प्रेसिडेंट पुष्करिणी सुभेदार ने साकीनाका में आयोजित अपने अमृत महोत्सव जन्मदिन कार्यक्रम में टीचर्स, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स का मार्गदर्शन किया। समता शिक्षण संस्था के सेक्रेटरी राजेश सुभेदार के मार्गदर्शन और संस्था की कार्यक्षमता, मुख्याध्यापिका ज्योति सुभेदार की देखरेख में, पेरेरवाड़ी के समता विद्या मंदिर स्कूल में मां पुष्करिणी सुभेदार के 75वें अमृत महोत्सव जन्मदिन के सम्मान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपने मार्गदर्शन में पुष्करिणी मैडम ने आगे कहा कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए आपके अंदर बहुत कॉन्फिडेंस, कड़ी मेहनत की तैयारी और सब्र होना चाहिए। नहीं तो डिप्रेशन हो जाता है। आपको अपने पेरेंट्स का ठीक से ख्याल रखना चाहिए। पुष्करिणी सुभेदार ने कहा कि ओल्ड एज होम में बुजुर्गों की संख्या बढ़ना दुख की बात है। उस समय साकीनाका जैसी लोअर मिडिल क्लास बस्ती में स्कूल शुरू करना एक चमत्कार था। स्कूल की जगह अगर चॉल बनाई जाती तो ज्यादा फायदेमंद होता। लेकिन स्टूडेंट्स की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्कूल ज्यादा जरूरी था। स्कूल चलाना सीखने से ज्यादा स्कूल शुरू करने में परेशानी हुई। लेकिन, उस हालात में, यह संस्था की खुशकिस्मती थी कि उसे ऐसे टीचर मिले जिन्होंने स्टूडेंट्स में अच्छे संस्कार डाले, इस लिए, उन्होंने टीचर्स को धन्यवाद दिया। इस समारोह में छोटे बच्चों ने मैडम का फूल बरसाकर स्वागत किया। टीचर्स ने मैडम को 75 दीये दिए और रवा और गुलाल तोला। इस दौरान स्टूडेंट्स ने डांस और म्यूज़िक का कार्यक्रम पेश किया। संस्था कि और से शरण आश्रम को आर्थिक मदत दिया गया। इस समारोह में कोरियोग्राफर अनिल सुतार, माइकल हाईस्कूल व जूनियर कॉलेज की संचालिका श्रीमती गोम्स मैडम, संस्था की संचालिका रोहिणी उर्फ ?सलोनी सुधीर कुडालकर, पूर्व प्राचार्य सुदाम वाघमारे, श्रीमती गीता बालोदी, सुपरवाइजर अनिल सिंग, प्राचार्य भारती पोवले, समता विद्या मंदिर मराठी, हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के सेवानिवृत्त शिक्षक, शिक्षक व पूर्व छात्र निरीक्षक गणेश अंधे, श्रीधर एरंडे, आबा पेंडणेकर, रात्रा स्कूल की मुख्याध्यापिका श्रीमती वंदना निकम, नवनीत प्रकाशन के अधिकारी, सभी विभागों के प्राचार्य व शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी, सावित्रीबाई फुले स्कूल व कॉलेज, ट्यूलिप इंग्लिश मीडियम स्कूल आदि के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे व सुभेदार मैडम को शुभकामनाएं दीं।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन होने की घोषणा के बाद भिवंडी में मनसे कार्यालय पर मनाया गया जश्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बीच गठबंधन को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर बुधवार को विराम लग गया। सुबह करीब 12 बजे दोनों नेताओं द्वारा आधिकारिक रूप से गठबंधन की घोषणा किए जाने के बाद पूरे महाराष्ट्र में शिवसेना और मनसे के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने खुशियां मनाई। मनसे शहर अध्यक्ष मनोज गुलवी के अशोकनगर स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर भिवंडी लोकसभा प्रमुख शैलेश बिडवी के नेतृत्व में मनसे पदाधिकारियों ने खुशियां मनाते हुये जोरदार नारेबाजी कर पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त किये। इस अवसर पर तालुका प्रमुख विकास जाधव, पदाधिकारी शरद नागवकर, अजय हजारे, हनुमान वारघडे, महिला सचिव रूपाली मिटकर सहित कई मनसे पदाधिकारी उपस्थित थे। दोनों दलों के कार्यकर्ता लंबे समय से इस सुखद घोषणा की प्रतीक्षा कर रहे थे और घोषणा होते ही उत्साह का माहौल देखने को मिला। भिवंडी लोकसभा प्रमुख शैलेश बिडवी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुंबई में ठाकरे नाम ही एक ब्रांड है और वह कायम रहना चाहिए यही मुंबई के आम नागरिकों की भी इच्छा है। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन से न केवल महाराष्ट्र बल्कि दोनों पार्टियों को भी लाभ होगा और अब दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने की

ऑल-न्यू किआ सेल्टोस का उत्पादन शुरू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मिड-एसयूवी सेगमेंट में अपनी बादशाहत को और मजबूत करते हुए, किआ इंडिया ने आज आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री में 'ऑल-न्यू किआ सेल्टोस' का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत में कंपनी के ऑपरेशंस के लिए यह एक बड़ा मील का पत्थर है। किआ इंडिया इस नई सेल्टोस की कीमतों की घोषणा 2 जनवरी 2026 को करेगी नई सेल्टोस, भारत की सबसे लोकप्रिय और बेंचमार्क सेट करने वाली मिड-एसयूवी के एक बड़े, बोल्ड और उन्नत पीढ़ीगत बदलाव को दर्शाती है। भारतीय एसयूवी खरीदारों की उभरती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार, नई सेल्टोस पहले से ज्यादा स्पेस, नया बोल्ड डिजाइन, बेहतर राइड कंफर्ट, शानदार हैंडलिंग और उन्नत सुरक्षा फीचर्स प्रदान करती है। यह अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीक का एक ऐसा संगम है, जो वैश्विक मानकों को भारतीय सड़कों और जीवनशैली की जरूरतों के साथ जोड़ता है।

किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ, ग्वांगू ली ने अनंतपुर प्लांट में आयोजित समारोह में कहा, ऑल-न्यू किआ सेल्टोस का उत्पादन शुरू होना हमारे लिए गर्व का क्षण है।

गड़वाघाट आश्रम पर 4 जनवरी को महाभंडारा और महाआरती का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देशभर में फैले लाखों शिष्यों के जीवन को आध्यात्मिक ज्ञान से प्रकाशित करने वाले संत श्री श्री 108 श्री सद्गुरु स्वामी जी महाराज परमहंस का 6 दिसंबर को कांदिवली पूर्व स्थित संतमत अनुयायी आश्रम, मठ गड़वाघाट में आगमन हो चुका है। उनका दर्शन करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। 4 जनवरी, रविवार को महाभंडारा व महाआरती का भव्य आयोजन किया गया है। गड़वा घाट आश्रम के प्रमुख संत सोनी बाबा ने उपरोक्त जानकारी देते हुए लोगों से दर्शन लाभ और महाप्रसाद लेने की अपील की है। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव ने कहा कि संतो के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति का कल्याण हो जाता है। ऐसे महान संत का दर्शन करना बड़े भाग्य की बात है। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव के नेतृत्व में संस्था के पदाधिकारी सभाजीत यादव विमलेश यादव, बृजेश श्रीपति यादव , झुल्लूर यादव , सुभाष तिवारी , ईश्वरदेव यादव , माणिकचंद यादव , एड. अरुण यादव तथा अनेक कार्यकर्ता दर्शन के लिए आने वाले भक्तों का हर प्रकार का सहयोग कर रहे हैं । डॉ यादव ने अधिक से अधिक संख्या में लोगों से महाआरती और महाभंडारा में शामिल होने की अपील की है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में चव्हाण ने की भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि क ल्या ा ण - ड ों बि व ली महानगरपालिका में पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए आने वाला चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। चव्हाण ने भाजपा के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील करते हुए सभी कार्यकताओं को सज्क रहने की सलाह दी गई। इस सम्मेलन में पूर्व मंत्री जगन्नाथ पाटिल, जिलाध्यक्ष नंदू परब, कल्याण-डोंबिवली चुनाव प्रमुख नाना सूर्यवंशी, विधायक सुलभा गायकवाड़, जिला उपाध्यक्ष मनोज राय, अंबरनाथ की नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष तेजश्री करुंजले पाटिल, पूर्व जिलाध्यक्ष शशिकांत कांबले, डॉ.पूजा गायकवाड़,संजय शेठ गायकवाड़,विजय उपाध्याय,राजू अंकुश,पूर्व उपमहापौर विक्की तरे,पूर्व नगरसेवक अनंता पावशे,पूर्व नगरसेविका शीतल मंढारी,समाज सेविका अमृता जाधव,पूर्व नगरसेविका हेमलता पावशे,पूर्व नगरसेवक अभिमन्यु गायकवाड, पूर्व नगरसेवक गणेश भाणे, पूर्व शहर अध्यक्ष, संजय मोरे, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कल्याण पूर्व के 100 फुट रोड परिसर में आयोजित इस कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में बोलते हुए रविंद्र चव्हाण ने चुनाव में भाजपा को ही क्यों चुना जाना चाहिए, इस पर जोर देते हुए कल्याण पूर्व की नागरिक समस्याओं पर भी प्रकाश डाला।

कल्याण पूर्व का क्षेत्र अत्यंत घनी आबादी वाला है, और स्वयं का पक्का घर बनाना यहां के नागरिकों का कई वर्षों पुराना सपना है। इस सपने को साकार करने के लिए महायुति के माध्यम से एसआरए जैसी योजनाओं और नीतिगत निर्णयों की आवश्यकता है। साथ ही 24 घंटे जलापूर्ति, चौड़ी सड़कें, प्रमुख मार्गों से इस क्षेत्र की बेहतर कनेक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को चव्हाण ने अपने भाषण में रेखांकित करते हुए भाजपा को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब हम पार्लियामेंट टू पंचायत झ शत प्रतिशत भाजपाह्व के नारे पर विचार करते हैं, तब केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे पारदर्शी प्रशासन को देखते हुए क ल्या ा ण - ड ों बि व ली महानगरपालिका में भी पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के लिए 15 तारीख को होने वाला चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस चुनाव में जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार खड़े हैं, वहां कमल के चुनाव चिह्न के सामने वाला बटन दबाकर भाजपा के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील भी प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने की।

हिंदी साप्ताहिक खबर-दर-खबर द्वारा प्रकाशित मी भिवंडीकर दिनदर्शिका का विमोचन पुलिस उपायुक्त के हाथों संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी से प्रकाशित होने वाले साप्ताहिक समाचार पत्र खबर दर खबर मीडिया ग्रुप द्वारा प्रकाशित किया गया मी भिवंडीकर दिनदर्शिका का विमोचन कार्यक्रम बागे फिर्दोस मस्जिद के पास सनोबर हाल में पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के शुभहस्ते संपन्न किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस शहर अध्यक्ष एडवोकेट रशीद ताहिर मोमिन, सहायक पुलिस आयुक्त विजय मराठे, उप निबंधक इंद्रवदन सोनवणे, सुप्रसिद्ध इंजीनियर के. के. दुर्राज, सेंट्रल पब्लिक स्कूल के संचालक अयाज खान, प्रवीण श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के हितचिंतक भी मौजूद रहे। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने मी भिवंडीकर दिनदर्शिका के माध्यम से भिवंडी के सर्वधर्मीय धार्मिक स्थलों, इतिहास और व्यापार की जानकारी देने के प्रयासों के लिए खबर दर खबर के मुख्य संचालक मुनीर अहमद मोमिन की सराहना किया। उन्होंने कहा कि यदि दिनदर्शिका न होती तो इतिहास को समझना और सिखाना संभव नहीं होता। साथ ही भविष्य की योजना बनाने में भी कैलेंडर का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने दिनदर्शिका के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज भी दुनिया में दो हजार वर्ष पुराने कैलेंडर कला दीघाओं में सुरक्षित रखे गए हैं जो इसके ऐतिहासिक महत्व को दशार्ते हैं।

उत्तर भारतीय शिक्षित युवाओं की पसंद बन रही शिवसेना

शिवपूजन पांडे

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में उत्तर भारतीय मतदाताओं की निर्णायक संख्या होने के बावजूद महापालिका चुनाव में भी अपेक्षित संख्या में नगरसेवक चुनकर नहीं आते। इसका प्रमुख कारण है कि उत्तर भारतीय मतदाता संगठित नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अब तक सबसे अधिक उत्तर भारतीय मतदान करते रहे हैं, परंतु यह भी सच है कि टिकट बंटवारे में उनके साथ पूरी तरह से नाइंसाफी की जाती है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि भाजपा में कोई ऐसा बड़ा उत्तर भारतीय चेहरा नहीं है, जो खुलकर टिकट की मांग कर सके। भाजपा की इस कमजोरी का फायदा उठाते हुए शिवसेना (शिंदे) मैं उत्तर भारतीयों में शिवसेना के प्रति विश्वास पैदा करने का प्रयास शुरू किया है। शिवसेना जिलाध्यक्ष राजू भोईर के अनुसार उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में बिना किसी भेदभाव के हम सभी वर्ग के लोगों में शिवसेना के प्रति विश्वास पैदा करने का सफल प्रयास कर रहे हैं। उत्तर भारतीय समाज तेजी से शिवसेना की तरफ आकर्षित हुआ है। उत्तर भारतीय शिक्षित युवाओं का झुकाव तेजी से शिवसेना की तरफ हुआ है। प्रभाग क्रमांक 2 में सुशिक्षित युवा राम अनुज सिंह ने टिकट की दावेदारी की है। युवा सेना से संलग्न राम अनुज सिंह 18 वर्ष की उम्र से ही युवा राजनीति कर रहे हैं। 22 वर्ष के राम अनुज सिंह ने बीएमएस की पढ़ाई की है। हर गली विकास और हर दिल विश्वास के संकल्प के साथ लोगों के बीच काम करने वाले राम अनुज सिंह का मानना है कि राजनीति तभी स्वच्छ और पारदर्शी बनेगी, जब पढ़े-लिखे लोग इसमें शामिल होंगे। राम अनुज सिंह के पिता अनिल कुमार सिंह बिजनेसमैन तथा शिवसेना के उप शहर प्रमुख हैं।क्षत्रिय जन सेवा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में वे पिछले कई वर्षों से सामाजिक कार्य कर रहे हैं। उप शहर प्रमुख संतोष पाटिल, शाखा प्रमुख संदीप सिंह, शाखा प्रमुख श्रीकांत मिश्रा, शाखा प्रमुख सत्येंद्र सिंह, शाखा प्रमुख निलेश तलवड़ेकर, संतोष मिश्रा जैसे अनेक लोगों का राम अनुज सिंह को पूरा साथ मिल रहा है।

छात्रों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

◆पालघर के एस.डी.एस.एम. कॉलेज में वार्षिक स्नेह सम्मेलन क्षितिज सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली द्वारा संचालित पालघर जिले के प्रतिष्ठित एस.डी.एस.एम. महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन क्षितिज का आयोजन मंगलवार 22 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे उत्साहपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, नाटक, एकांकी तथा विविध सांस्कृतिक कलाओं की शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे एवं अन्य मान्यवरों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती माता के चित्र पर पुष्पहार अर्पण कर किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए अनुशासन बनाए रखने तथा महाविद्यालय की सम्पत्ति की सुरक्षा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनावश्यक तोड़फोड़ का आर्थिक बोझ अंततः विद्यार्थियों को ही सहन करना पड़ता है।श्री. कोरे ने कहा कि स्नेह सम्मेलन जैसे उपक्रम विद्यार्थियों की सुप्त प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे ने अपने सम्बोधन में कहा कि वार्षिक स्नेह सम्मेलन वह क्षण होता है, जिसकी प्रतीक्षा विद्यार्थी पूरे वर्ष करते हैं। यह आयोजन उनके शैक्षणिक जीवन के साथ ही उनके कला गुणों को प्रस्तुत करने का एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाता है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना कनिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रा. दिलीप तेलमोरे ने की। श्री. तेलमोरे ने कहा कि स्नेह सम्मेलन विद्यार्थियों के छिपे हुए कलागुणों को उजागर करने का एक सशक्त मंच है, जो उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर पर्यवेक्षक प्रा. सुरेश हजबे, डॉ. धीरज राऊत, वरिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. तानाजी पोल एवं डॉ. महेश देशमुख, पर्यवेक्षक डॉ. हर्षद वनमाली व डॉ. शैलजा पालन उपस्थित थे। वरिष्ठ महाविद्यालय के क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक मंडल के अध्यक्ष प्रा. राजू तांडेल एवं जबकि कनिष्ठ महाविद्यालय के क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक मंडल के उप कार्याध्यक्ष प्रा.श्री वसावे, प्राध्यापिका दीप्ती भोयर एवं प्राध्यापिका अनिता लोहार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों को दर्शकों की ओर से भरपूर सराहना मिली और सभागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर चित्रकला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रा. सुप्रिया राऊत ने प्रभावी अंदाज में किया। क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक मंडल के कार्याध्यक्ष पंढरीनाथ घोडे ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय प्रशासन, प्राध्यापकवर्ग तथा विद्यार्थियों का विशेष रूप से अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

ई-मार्केट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्रामीण उत्पादों को मिलेगी नई पहचान

पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को डिजिटल बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नती अभियान (उमेद), पंचायत राज विभाग, महाराष्ट्र शासन एवं प्राइमोव्ह के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 23 और 24 दिसंबर को जिला परिषद पालघर स्थित जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को यदि गुणवत्तापूर्ण पैकेजिंग, प्रभावी ब्रांडिंग और नियमबद्ध लेबलिंग मिले, तो ई-मार्केट प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्हें बड़ी बाजारपेठ उपलब्ध हो सकती है। महिला उद्यमियों को आधुनिक तकनीक का उपयोग कर अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहिए।कार्यक्रम में परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उमेद अभियान के जिला प्रबंधक रवि बोबडे, राजश्री माने सहित जिला एवं तहसील स्तर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। पालघर जिले के विभिन्न तहसीलों से महिला उद्यमियों और महिला बचत समूहों की सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्राइमोव्ह संस्था के सागर सावंत व विक्रांत सोनी ने प्रतिभागी महिलाओं को ई-मार्केटिंग से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यशाला में 100 से अधिक महिला समूह अपने-अपने उत्पादों के साथ सहभागी हुए। दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीण उत्पादों के विभिन्न प्रकार, उपयुक्त पैकेजिंग सामग्री, आकर्षक एवं नियमबद्ध लेबल तैयार करने की प्रक्रिया, ई-मार्केट प्लेटफॉर्म पर उत्पाद की जानकारी दर्ज करने की विधि, साथ ही खाद्य प्रसंस्करण एवं घरेलू उत्पादों के लिए आवश्यक शासकीय लाइसेंस व पंजीकरण प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण से महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को डिजिटल माध्यम से बिक्री का नया अवसर मिलेगा, जिससे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिलेगा, ऐसा विश्वास आयोजकों द्वारा व्यक्त किया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

बिजली कटौती मुद्दे पर विधायक डॉ.रागिनी ने सरकार को घेरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बुधवार को सरकार के बिजली विभाग की पोल खुलकर सामने आ गई। सत्तापक्ष लगातार दावा करता है कि प्रदेश में बिजली का उत्पादन भरपूर है। 24 घंटे आपूर्ति हो रही है और मांगझ्आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है। मगर जमीनी हकीकत यह है कि गांवों में 12-12 घंटे और शहरों में 4 से 6 घंटे तक अघोषित बिजली कटौती जनता की दिनचर्या बन चुकी है। यह सवाल विधानसभा में सपा की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने उठाया।

विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने सदन में कहा कि हालात इतने शर्मनाक हैं कि जब खुद सत्ताधारी पार्टी का कार्यकर्ता मंत्री के पास जाकर माला पहनाता है, नारे लगाता है और फिर कान में कहता है कि 14 घंटे से बिजली नहीं आई, तब भी मंत्री जी सच्चाई सुनने को तैयार नहीं होते। भगवान के नाम के नारे लगवाकर विभाग की विफलताओं पर पर्दा डाल दिया जाता है और जवाब आता है, कोई कमी नहीं है। यह जनता के साथ खुला मजाक नहीं तो और क्या है?

डॉ.रागिनी ने सरकार से सीधे सवाल किए

25 साल के लिए अदानी से बिजली खरीद के प्रस्ताव पर उठाया सवाल

पॉवर लास पर कितने बिजली अधिकारियों पर की गई कार्रवाई

कि अगर उत्पादन और मांग में कोई अंतर नहीं है, तो फिर यह अघोषित कटौतियाँ किसकी नाकामी हैं? क्या यह मान लिया जाए कि सरकार का बिजली वितरण तंत्र पूरी तरह चरमरा चुका है? और अगर वितरण ही फेल है, तो 9 साल की सरकार ने अब तक क्या किया? कितने अफसरों पर कार्रवाई हुई? या फिर सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी से जनता को बहलाया जा रहा है।

जौनपुर के बदलापुर महोत्सव में मंच से उपकेंद्र निर्माण का ऐलान और उसी जिले के सदरनगंज व बंधुआ में पावर लॉस का बहाना बनाकर मांग ठुकरा देना, यह सरकार की दोहरी नीति का खुला उदाहरण है। विधायक ने पूछा कि यह पावर लॉस किसकी लापरवाही का नतीजा है? इस मामले के लिए अब तक कितने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हुई।

सबसे गंभीर सवाल बिजली विभाग के निजीकरण और अडानी से 25 साल के लिए 5.383 प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद के प्रस्ताव पर उठाया गया। विधायक ने कहा कि इस सौदे की अनुमानित लागत 15,000 करोड़ है, लेकिन सरकार जनता से सच छुपा रही है। जब उत्पादन बढ़ाने के नाम पर किए गए शिलान्यास जमीन पर दिखाई नहीं देते, तो यह साफ है कि सरकार जनता की बिजली निजी हाथों में गिरवी रखने जा रही है।

विधायक ने चेतावनी दी कि इस महंगे सौदे का बोझ आखिरकार गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग ही उठाएगा। सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश की जनता अडानी मॉडल की कीमत अंधेरे में रहकर चुकाएगी? अंत में विधायक ने कहा कि आज प्रदेश की जनता को नारों की नहीं, भगवान के नाम की नहीं, बल्कि सच और जवाबदेही की जरूरत है। सरकार को सदन और सड़क दोनों जगह जवाब देना होगा।

मानीकलां में शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में लगा नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप

सैकड़ों मरीजों को मिला लाभ

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज के क्षेत्र कस्बा मानी कलां में शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। सैकड़ों कि संख्या में आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए हुए रोगियों ने चिकित्सक से परामर्श किया। साथ ही सभी तरह की ब्लड जांच निःशुल्क की गई। जिसका लाभ रोगियों ने उठाया।

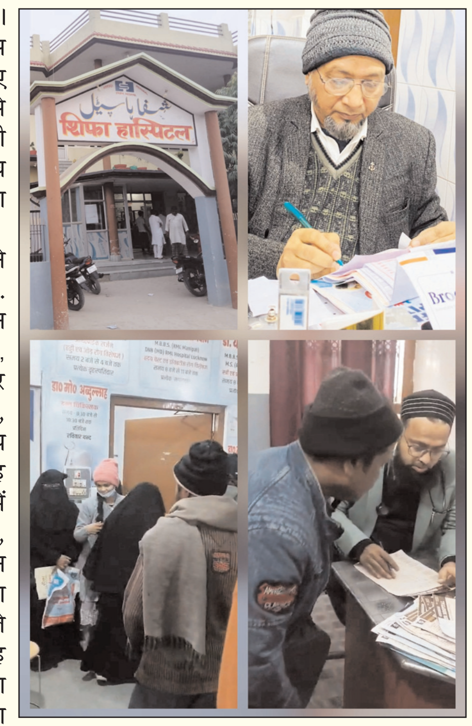

जनपद जौनपुर के माने जाने चिकित्सक डॉ. मोहम्मद चाँद बागवान (MBBS, DNB (MD), PDCC-क्रिटिकल केयर मेडिसिन, CCEBDM, डायबिटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ, ने मधुमेह जैसे बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, खान पान में विशेष ध्यान रखने के बारे में बताया ताकि भविष्य में होने वाले रोगों से बचा जाए, मधुमेह होने के कारण क्या क्या समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे कई बचा जाएं। सबसे पहले आप तनाव से फ्री रहे, इसके बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। सुबह सुबह पैदल अवश्य चले, समय पर आप नींद ले, समय समय पर मधुमेह की जांच करते रहे जो भी दवा लेना है चिकित्सक के परामर्श से ले।

डॉ.अबू फैसल (MBBS, D.Ortho (Lko), DNB (Ortho), PGDS), गोल्ड मेडलिस्ट एवं ऑर्थोपेडिक सर्जन (हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ), हड्डी सम्बन्धी रोगों से कैसे बचा जाए समय समय पर चेकअप करते रहना चाहिए। जैसे कि विटामिन डी, कैल्शियम, यूरिक एसिड, आर ए फैक्टर, इस तरह की जांच साल भर के भीतर एक बार अवश्य करना चाहिए, ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जी का प्रयोग करना चाहिए।

डॉ.सना अब्दुल्ला खान स्त्री रोग विशेषज्ञ, का कहना था कि महिलाओं को अपने रोगों को कभी छुपाना नहीं चाहिए, उसे महिला चिकित्सक से मिलकर शेयर करना चाहिए, छोटी छोटी बीमारी कब बड़ी हो जाती है, पता ही नहीं चलता है। जैसे कि मासिक समस्या होना, लिकोरिया की शिकायत होना, बच्चेदानी में काठ होना, जिसके कारण महिलाओं को बार बार कमर में दर्द बने रहना आदि समस्या बनी रहती है। शिफा हॉस्पिटल, मानीकलां के निदेशक डॉ.मोहम्मद अकमल का इस कैम्प में विशेष योगदान रहा।

जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ शिवब्रत सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी में वार्षिक खेल महोत्सव का शुभारंभ

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र से सटे कलान स्थित शिवब्रत सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी में तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 2025-26 का शुभारंभ आज अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ किया गया। महोत्सव के प्रथम दिवस विद्यालय परिसर ऊर्जा, उमंग और विद्यार्थियों के उत्साह से सराबोर नजर आया। विभिन्न खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शशि प्रकाश सिंह, प्रबंधक, श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथियों में श्री अतुल सिंह, प्रशासनिक अधिकारी; श्री शशांक सिंह, निदेशक; डॉ. रविन्द्र सिंह, प्राचार्य, शिवब्रत शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान तथा श्री रुद्र प्रताप सिंह, प्राचार्य, शिवब्रत सिंह चिल्ड्रेन एकेडमी उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव के प्रथम दिवस का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भव्य एवं अनुशासित मार्च-पास्ट से हुआ। मार्च-पास्ट के दौरान विद्यार्थियों की एकरूपता, आत्मविश्वास और अनुशासन ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। इसके उपरांत ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं, सामूहिक खेलों तथा विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ भाग लिया।

मुख्य अतिथि श्री शशि प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास का सशक्त माध्यम हैं। खेल न केवल स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व जैसे गुणों का भी विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अन्य अतिथियों ने भी विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और आगामी दो दिनों के खेल आयोजनों के सफल एवं प्रेरणादायक आयोजन की शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय के प्राचार्य श्री रुद्र प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देना है।

तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 2025-26 का प्रथम दिवस ऊर्जा, प्रेरणा और खेल भावना का संदेश देते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आगामी दिनों में विभिन्न आयु वर्गों के लिए अनेक खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी, जिनमें विद्यार्थियों की प्रतिभा और खेल कौशल देखने को मिलेगा।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट ने एक महीने निशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारंभ

महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाना लक्ष्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट ने युवतियों और महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पुनः निःशुल्क एक माह ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन निखार ब्यूटी पार्लर खुझी मोड हिसामपुर रोड डोभी में किया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रो सरिता सिंह श्री गणेश राय पी जी कालेज डोभी ने कहा कि अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा नारी उत्थान एवम उनकी आत्मनिर्भरता के लिए इस तरह के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन निश्चित रूप से प्रशिक्षणार्थियों के लिए कारगर साबित होगा, संस्थाध्यक्ष उर्वशी सिँह ने प्रशिक्षिका श्रीमती सरोज गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओ को स्वावलंबी बनाने की इस मुहिम से युवतियां अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी तथा उनके आत्मविश्वास मे वृद्धि होगी। ट्रस्ट परिवार द्वारा इस तरह के कई बार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा चुका है, कार्यक्रम में बच्चियों का उत्साह देखकर बहुत ही खुशी का अनुभव हो रहा है। बड़ी संख्या में बच्चियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया! प्रशिक्षिका सरोज गुप्ता ने कहा कि बच्चियों को सिखाने के बाद हर सप्ताह एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने पर समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा !जिससे बच्चियों के अंदर सीखने की चाह और उत्साह की भावना बनी रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट परिवार के तरफ से सदस्य और धरमू गुप्ता, शहजादी गुप्ता, दिनेश, उपेन्द्र, ट्रेनर डिम्पल, खुशी, अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और आभार संस्था समाजसेवा अध्यक्ष मीरा अग्रहरी ने किया।

अतिक्रमण के खिलाफ चला पुलिस का अभियान, दर्जनों का हुआ चलान पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कमिश्नर वाराणसी के आदेश पर आदमपुर पुलिस ने रोड के किनारे पटरी पर लगाये दुकान को हटवाया। वही दर्जनों लोगो का चलान भी किया मंगलवार की सायः काल आदमपुर थाना क्षेत्र के प्रहलाद घाट से लेकर काशी स्टेशन तक पुलिस ने रोड पर अतिक्रमण किये लोगो का चलान किया, तो वही सख्त लहजे मे दी चेतावनी दुबारा मिलने पर मुकदमा दर्ज कर जब्त कर लिया जायेगा। समान वही नाली कब्जा किये एक दर्जन लोगो को चेतावनी भी दी गई इस दौरान पुलिस के अभियान से पटरी दुकनदारों मे हड़कम्प मच गया अभियान का नेतृत्व आदमपुर थान प्रभारी विमल मिश्रा कर रहे थे जिनके साथ चौकी इंचार्ज आदमपुर तेलियानाला समेत महिला सब स्पेक्टर सहित भारी पुलिस बल मौजूद थी।

जिलाधिकारी ने वनवासी परिवारों को किया कंबल वितरण

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा लगाया गया स्टॉल, जिलाधिकारी ने वनवासी लोगों से किया संवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा विकास खंड रामपुर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर बनवासी परिवारों को कंबल वितरित किया गया। ब्लाक प्रमुख रामपुर राहुल सिंह के सौजन्य से विकास खण्ड रामपुर परिसर में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कम्बल वितरित करते हुए कहा कि बताया कि ठंड से बचाव के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गरीब असहायो को आपदा विभाग के माध्यम से कम्बल वितरण किया तो जाता ही है लेकिन कई समाजसेवी, प्रमुखगण इस कार्य में अपना योगदान देते हैं तो और अधिक असहायो को मदद मिल जाती है।

जिलाधिकारी ने ब्लाक प्रमुख की सराहना करते हुए कहा कि ठंड से बचाव हेतु गरीब और वंचित लोगों में कंबल वितरण का कार्यक्रम विगत कई वर्षों से किया जा रहा है, इसी क्रम में आज विकासखंड रामपुर में भी वनवासी लोगों को कंबल वितरित किया गया है उन्होंने इस दौरान सक्षम लोगों और समाजसेवियों से अपील किया कि इस नेक कार्य में आवश्यक सहयोग करें तथा ठंड के दृष्टिगत गरीब लोगों में कंबलवितरित करे। इस दौरान जिलाधिकारी ने वनवासी लोगों से संवाद करते हुए उनके समस्याओं को सुना।

साथ ही सुशासन सप्ताह के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग, ग्राम विकास विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभाग द्वारा स्टॉल लगाया गया तथा लोगों की समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मड़ियाहूँ, खण्ड विकास अधिकारी अभिनव सहित ग्रामीणजन और अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सांसद बाबू सिंह कुशवाहा पहुंचे आप पार्टी के काशी प्रांत वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मुन्ना सिंह के घर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ओलंदगंज रूहट्टा के पास स्थित, आम आदमी पार्टी के नेता प्रदेश वरिष्ठ वरिष्ठ उपाध्यक्ष (काशी प्रांत) व पूर्व जिला अध्यक्ष जौनपुर सूर्य नारायण सिंह मुन्ना के आवास पर पहुंचे। जिसके पश्चात आप पार्टी के कार्यकताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। और फिर तमाम सामाजिक मुद्दों पर चर्चाएं की गई। साथ मौजूद रहे आम आदमी पार्टी जौनपुर के जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी एवं ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव विशाल यादव तथा सांसद के प्रतिनिधि मनोज मौर्य एवं समाजवादी पार्टी के जिला सचिव प्रभाकर मौर्य एवं सपा नेता गुलाबचंद यादव इत्यादि लोग शामिल रहे।

आप पार्टी नेता मुन्ना सिंह ने बताया कि सांसद बाबू सिंह कुशवाहा उनके आवाज पर पारिवारिक मुलाकात के लिए आए थे तथा इस अवसर पर कुछ जन समस्याओं के संदर्भ में भी उन्हें अवगत कराया गया इसके पश्चात सांसद जी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा। तथा चाइनीस मांझा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी द्वारा के के जौनपुरिया यूट्यूब चैनल के माध्यम से मोटिवेशनल वीडियो बनाया गया था उसको देखकर तारीफ किया और बोले की यह एक अच्छा संदेश है चाइनीस मांझा पर रोक लगाने के लिए बढ़िया वीडियो बनाया गया।

व्यापारी नेता इंद्रभान सिंह इंदु के बड़े भ्राता के निधन पर शोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु के बड़े भ्राता वरिष्ठ अधिवक्ता सूर्यभान सिंह लाले के असामयिक निधन पर व्यापार मंडल के संस्थापक एवं ज़िला उपाध्यक्ष हबीब अलम, ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ज़िला कोषाध्यक्ष उमेशचंद गुप्त, प्रांतीय मंत्री शकील अहमद, नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू, ज़िला मंत्री अब्दुलहक अंसारी, अरुण शुक्ल, संजय श्रीवास्तव, आलोक सिन्हा, सुनील सेठ, जयप्रकाश जायसवाल, विनोद जायसवाल, सुरेश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियो ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने मृतक आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करते हुए दुख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार वालों को सहनशीलता प्रदान करने की प्रार्थना की है।

प्राथमिक विद्यालय बिसावां में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सिकरारा के प्राथमिक विद्यालय बिसावां में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी सिकरारा अजीत कुमार सिंह के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन के साथ हुई, इसके पश्चात फीता काटकर टेलीविजन का विधिवत उद्घाटन किया गया।

यह टेलीविजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से अवधेश कुमार अग्रवाल, संस्थापक सोशल वेलफेयर एंड अपलिफ्टमेंट ग्रुप, दिल्ली की प्रेरणा से उमेश गुप्ता द्वारा विद्यालय को प्रदान किया गया। स्मार्ट क्लास के माध्यम से अब बच्चे दृश्यझ्श्रव्य साधनों के जरिए शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे, जिससे न केवल उनके सीखने की क्षमता में वृद्धि होगी बल्कि मानसिक विकास और शैक्षिक स्तर भी बेहतर होगा। बताया गया कि अवधेश कुमार अग्रवाल द्वारा देश के कोनेझ्कोने में बेसिक शिक्षा के उन्नयन हेतु निरंतर ऐसे कार्य किए जा रहे हैं। उनके सहयोग से विद्यालयों में जूते-मोजे, स्वेटर, टोपी, इन्वर्टर, झूले आदि भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बेसिक शिक्षा के बच्चों के लिए देशव्यापी स्तर पर एक बड़ा मिशन संचालित किया जा रहा है, जिसमें सेवा भाव रखने वाले अनेक लोग जुड़कर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने इस पुनीत कार्य के लिए दानदाता एवं सामाजिक संस्था का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिवम सिंह, राकेश सिंह, प्रेम तिवारी, वीरेंद्र सिंह, मुकेश दुबे, आशीष मौर्या सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाध्यापिका उत्तमा चतुर्वेदी ने सभी आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

रेलवे बाउंड्रीवाल से 50 घरों का आवागमन पूरी तरह हुआ ठप

ग्रामीणों की मांग पर सांसद प्रिया सरोज ने दिया अंडरपास का आश्वासन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय रेलवे स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित रामदासपुर गांव में रेलवे लाइन के किनारे बाउंड्रीवाल बनाए जाने से ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। स्थिति यह है कि गांव के करीब 50 घरों में रहने वाली 600 से अधिक आबादी के सामने रोजमर्रा के आवागमन की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने रेल विभाग एवं मछलीशहर सांसद सुश्री प्रिया सरोज से रेलवे अंडरपास बनाए जाने की मांग की है।

रामदासपुर गांव प्रयागराजझ्वाराणसी रेलवे लाइन के बीच स्थित है। गांव के लोग, साथ ही मड़ैया और शंकरपुर गांव के कई ग्रामीण, रेलवे लाइन पार कर बाजार, स्कूल एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिए आते-जाते हैं। बच्चों के स्कूल जाने के लिए भी यही रास्ता एकमात्र साधन है। अभी तक ग्रामीण रेलवे लाइन पार कर आवागमन कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से रेल विभाग द्वारा लाइन के किनारे बाउंड्रीवाल का निर्माण कराए जाने से रास्ता बंद हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि बाउंड्रीवाल बनने के बाद उन्हें काफी लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे विशेषकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानी होगी। इसी समस्या को लेकर दो दिन पूर्व ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा था और रेलवे अंडरपास निर्माण की मांग की थी। ग्रामीणों की परेशानी की जानकारी मिलते ही मछलीशहर सांसद सुश्री प्रिया सरोज बुधवार को मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने डीआरएम सहित रेलवे के अन्य अधिकारियों से बातचीत कर ग्रामीणों के लिए अंडरपास बनवाने की मांग रखी।

इस मौके पर सांसद प्रिया सरोज ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्रीवाल आवश्यक है, लेकिन गांव को सटाकर दीवार बनाए जाने से लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में यहां अंडरपास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि डीआरएम से बात कर गांव की समस्या से अवगत करा दिया गया है और दिल्ली पहुंचने के बाद वे रेल मंत्री से भी रामदासपुर गांव के लिए अंडरपास निर्माण की मांग करेंगी। सांसद के आश्वासन से ग्रामीणों को राहत की उम्मीद जगी है।

सेवा निवृत्त साथियों का मिलन समारोह सम्पन्न

कल्याण। हिन्दी प्रचार मंडल द्वारा संचालित हिन्दी हाई स्कूल व हिन्दी जूनियर कालेज के सेवा निवृत्त शिक्षक, कवि पत्रकार प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय ने अपने पुराने साथियों को चाय पर आमंत्रित किया। कल्याण स्थित काला तलाव के नवनिर्मित जलपान गृह में पूर्व प्रधानाचार्य, भूतपूर्व उप-प्रधानाचार्य, भूतपूर्व प्रधानाध्यापक, भूतपूर्व पर्यवेक्षक व सेवा निवृत्त शिक्षक- शिक्षका उपस्थित हुए। लगभग बी वर्ष पूर्व सेवा निवृत्त होने वाले से लेकर विगत तीन वर्ष पूर्व सेवा निवृत्त साथियों का ये मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अनोखे मिलन समारोह की झलक सभी के चेहरे पर साफ साफ दिखाई दे रही थी। सभी साथी बड़ी उत्सुकता व अपनेपन से एक दूसरे से मिले। सभी साथी मिलकर एक साथ चाय और नाश्ते का लुफ्त उठाते हुए अपने अपने हालचाल साझा कर अति प्रसन्न हुए। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ विरेंद्र गुप्ता, राम अवध सिंह, सुधाकर पाण्डेय, जगन्नाथ मिश्रा, आशा राम पाण्डेय, हौसला प्रसाद तिवारी, श्रीमती सुनंदा पाण्डेय, आर एल मिश्रा, श्रीमती कामिनी सिंह, केशरी प्रसाद यादव, ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, राधे श्याम यादव,राजेश दूबे सहित सभी सेवा निवृत्त साथी उपस्थित रहे। हिन्दी प्रचार मंडल के सदस्य एच पी तिवारी ने इस कार्यक्रम को नाम दिया एक शाम, जितेंद्र पाण्डेय के नाम। हमारे मे वरिष्ठतम विरेंद्र गुप्ता ने इसे अविस्मरणीय क्षण बताया।बहुत वर्षों के उपरांत एक साथ सभी साथियों का एक जगह पर मिलना अभूतपूर्व क्षण रहा। इस सुखद आयोजन के लिए सभी ने प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय को धन्यवाद दिया और सभी साथियों के आने पर जितेन्द्र पाण्डेय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अटलजी भारतीय राजनीति में एक अजातशत्रु के रूप में जाने जाते हैं: अजीत प्रजापति

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर के कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया और उनके योगदान को याद किया गया एवं उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि अटलजी भारतीय राजनीति में एक अजातशत्रु के रूप में जाने जाते हैं उन्होंने राजनीति में एक विशिष्ट और सराहनीय मुकाम हासिल किया वाजपेयी जी अपने छात्र जीवन के दौरान पहली बार राष्ट्रवादी राजनीति में तब आये जब उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन जिसने ब्रिटिश उपनिवेशवाद का अंत किया, में भाग लिया। वह राजनीति विज्ञान और विधि के छात्र थे और कॉलेज के दिनों में ही उनकी रुचि विदेशी मामलों के प्रति बढ़ी। उनकी यह रुचि वर्षों तक बनी रही एवं विभिन्न बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने अपने इस कौशल का परिचय दिया वाजपेयी जी ने अपना करियर पत्रकार के रूप में शुरू किया था और 1951 में भारतीय जन संघ में शामिल होने के बाद उन्होंने पत्रकारिता छोड़ दी। आज की भारतीय जनता पार्टी को पहले भारती जन संघ के नाम से जाना जाता था जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कई कवितायें भी लिखी जिसे समीक्षकों द्वारा सराहा गया। अब भी वह राजनीतिक मामलों से समय निकालकर संगीत सुनने और खाना बनाने जैसे अपने शौक पूरे करते हैं।

जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि 1980 में हुए भाजपा के पहले अधिवेशन को याद करते हुए कहा, अटलजी ने कहा था कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा आज उनका यह सपना साकार हुआ है भाजपा को एक राष्ट्रवादी दल बताते हुए कहा कि अटलजी के नेतृत्व में भाजपा ने भारत को एक सुदृढ़ और समर्थ राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य किया। जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंघानिया ने कहा कि अटलजी को 1992 में पद्म विभूषण, 1994 में श्रेष्ठ सांसद पुरस्कार, लोकमान्य तिलक पुरस्कार, और 2014 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके कार्यों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर के लोग प्रेरित हैं अटलजी एक बहुआयामी व्यक्तित्व वाले नेता थे। जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के माध्यम से देश को सड़क मार्ग से जोड़ा और कावेरी जल विवाद जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान किया।

पूर्व जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्र ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्रसेवा में समर्पित कर भारत को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित किया। वे भारतीय राजनीति के युगपुरुष थे, जिनका व्यक्तित्व, विचार और कृतित्व सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। अटल जी की शताब्दी जन्म जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन है। पूर्व जिला महामंत्री संदीप तिवारी ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण, जनसेवा और सुशासन के लिए समर्पित रहा। पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और पवित्रता के साथ उन्होंने जिस राजनीति की परंपरा स्थापित की, वह अमृतकाल में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। उक्त अवसर पर आमोद सिंह परविंदर चौहान इंद्रसेन सिंह घनश्याम यादव नीरज मौर्य अमरनाथ पांडेय विकास ओझा जय शंकर पाल सुधांशु सिंह प्रमोद प्रजापति शरद टंडन शुभम मौर्य आदि उपस्थित रहे।

शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ के सान्निध्य में श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ का भव्य शुभारंभ

मुंबई। श्री नारायण सेवा समिति, कांदिवली (पूर्व), मुंबई के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आज भव्य एवं दिव्य वातावरण में शुभारंभ हुआ। अनन्त श्री विभूषित काशी धर्म पीठाधीश्वर, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के पावन मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में यह आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और सनातन चेतना के साथ प्रारंभ हुआ। प्रथम दिवस के अवसर पर कांदिवली स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर से कथा स्थल डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स तक एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालुजन सहभागी बने। विशेष रूप से सैकड़ों महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश लेकर लगभग 4 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए यज्ञ स्थल तक पहुँचीं। पूरे मार्ग में हरि नाम के संकीर्तन, भजन और जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। यज्ञ स्थल पर पहुँचकर श्रद्धालु महिलाओं एवं भक्तों ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के प्रेरक प्रवचन का श्रवण किया। अपने प्रथम दिवस के उद्बोधन में स्वामी जी ने कहा सनातन धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है। सनातन धर्म के बिना किसी भी धर्म की संकल्पना संभव नहीं है। यही धर्म मानवता, करुणा, सत्य और आत्मकल्याण का मूल आधार है। स्वामी जी ने श्रीमद् भागवत महापुराण को जीवन-मार्गदर्शक ग्रंथ बताते हुए कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को सदाचार, भक्ति और ज्ञान से जोड़ने का माध्यम है। प्रथम दिवस के आयोजन में क्षेत्र के अनेक धर्मप्रेमी नागरिक, समाजसेवी तथा श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे पंडाल में अनुशासन, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे 24 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन सायं 3.00 बजे से 6.00 बजे तक आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा में सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करें। उक्त जानकारी काशी धर्म पीठ के प्रवक्ता प्रो. दयानंद तिवारी ने प्रेस को दी।

वैष्णवी प्रजापति गोल्ड मेडल से सम्मानित

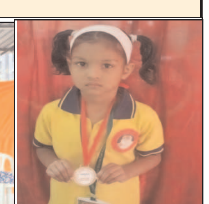

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सोमवार को कर्मवीर भाउराव पाटील इंग्लिश स्कूल प्रतिक्षा नगर सायन मुंबई में हो रहे दो दिवसीय बाल रेस प्रतियोगिता में वैष्णवी कन्हैया प्रजापति 6 वर्ष की होनहार बेटी ने गोल्ड मेडल जीतकर अपने समाज ग्राम और देश का नाम रोशन किया है वैष्णवी कन्हैया प्रजापति ग्राम सभा अमवार, पोस्ट लेवरुआ बजरंग नगर जौनपुर उत्तर प्रदेश की निवासी है सायन कोलीवाडा मुंबई में रहकर अपना पठन-पाठन कर रही है शिक्षा में अति उत्तम नंबर लाने के साथ-साथ खेल कूद जगत में भी अपने अच्छे प्रदर्शन से स्कूल के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं की प्रिय शांत स्वभाव छात्रा के रूप में जानी जाती है। वैष्णवी के पिता कन्हैया प्रजापति माता वंदना प्रजापति, सायन मुंबई में रहकर टेलरिंग का काम करते हुए बच्चों के पढ़ाई में भरपूर सहयोग करते है।

बी एस वी एस प्रीमियर लीग अंडर आरम क्रिकेट प्रतियोगिता आज

मुंबई। 25 दिसंबर 2025 गुरुवार को ग्राम सभा घमहॉ खेवखर पोस्ट अभोली जिला भदोही उत्तर प्रदेश के मां मुरकटी देवी ग्राउंड पर सभी खिलाड़ियों ग्राम वासियों एवं सहयोगियों के द्वारा बी एस वी एस प्रीमियर लीग अंडर आर्म टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। सभी खिलाड़ियों से अपील है कि वह अपनी-अपनी टीम लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। शामिल होने की फीस कराकर खेलकूद का आनंद उठाएं और अच्छे इनाम जो प्रथम पुरस्कार 5001, द्वितीय पुरस्कार 3001, तृतीय पुरस्कार 2001 एवं आकर्षक ट्रॉफी जीतकर अपने घर ले जाए।

जौनपुर में शाहगंज से मुंगराबादशाहपुर तक 65 कीमी लंबी सड़क होगी फोरलेन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद से होकर गुजरने वाले प्रयागराज-गोरखपुर मार्ग (एसएच-7) का शाहगंज से मुंगरा बादशाहपुर तक का 65 किलोमीटर हिस्सा फोरलेन में तब्दील होगा। शासन के निर्देश पर लोक पीडब्ल्यूडी की ओर से 1490 करोड़ रुपये एस्टीमेट शासन को भेज दिया है। प्रयागराज-गोरखपुर मार्ग के चैनेज संख्या 53.170 (मुंगराबादशाहपुर) से 118.200 शाहगंज तक का हिस्सा अभी महज सात मीटर चौड़ा है। उक्त मार्ग का प्रयागराज से मुंगराबादशाहपुर तक का हिस्सा व गोरखपुर से शाहगंज का हिस्सा लगभग फोरलेन बन चुका है। शाहगंज विधायक रमेश सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उक्त मार्ग के बचे हुए हिस्से को फोरलेन में तब्दील किए जाने कि मांग की थी। मार्ग पर वाहनों के भारी आवागमन के चलते चौड़ीकरण की मांग लगातार उठाई जा रही थी। मार्ग के फोरलेन बनाए जाने के क्रम में गोमती, पीली व सई नदी पर तीन दीर्घ सेतु का निर्माण भी किया जाएगा। फोरलेन निर्माण में अनुमानित लागत एक नजर में, भूमि अधिग्रहणः 420 करोड़, पोल शिफ्टिंगः 7.34 करोड़, मुआवजा भवनः 21.40 करोड़, वृक्ष कटानः 5.63 करोड़, दीर्घ सेतु (तीन): 72.62 करोड़, सिविल कार्यः 774.33 करोड़, अन्य लागत मिलाकर कुल 1490 करोड़। वर्तमान समय में प्रयागराज-गोरखपुर मार्ग जनपद के अति व्यस्ततम मार्गों में एक है। इसके फोरलेन बन जाने से प्रयागराज से गोरखपुर तक की न सिर्फ दूरी घटेगी बल्कि यात्रा में लगने वाला समय भी काफी कम हो जाएगा। इसके निर्माण से जौनपुर ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वांचल में यातायात, धार्मिक पर्यटन व आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। - रमेश सिंह, विधायक शाहगंज।

जौनपुर: मंदिर के विकास के बाद संत को निकाला बाहर, प्रधान पर गंभीर आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बक्सा क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है,संकट मोचन हनुमान गढ़ी जहाँ एक मंदिर की सेवा कर रहे संत ने वहाँ के स्थानीय प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्राम सददोपुर पोस्ट बक्सा, निवासी बाबा संजय कुमार सिंह ने बताया कि वे पिछले चार वर्षों से नौपेड़वा मंदिर में पूजा-पाठ और सेवा का कार्य कर रहे थे।

विकास कार्य और विवादः बाबा का कहना है कि उन्होंने अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान दान और जनसहयोग से लगभग लाखों रुपये के विकास कार्य मंदिर में करवाए। इसमें चांदी का सामान और अन्य निर्माण कार्य शामिल थे। उनके अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब उन्होंने मंदिर के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट (संकट मोचन हनुमानगढ़ी) का गठन किया।

प्रधान पर आरोपः बाबा ने आरोप लगाया कि रामपुर खंडी के प्रधान, अशोक अग्रहरी ने उन्हें मंदिर से बाहर निकाल दिया है। बाबा का कहना है कि प्रधान का विरोध इस बात पर है कि दूसरे गाँव के बाबा मंदिर के अध्यक्ष क्यों बने। जब पुलिस को फोन किया (112), तो वे लोग भाग गए। मैंने दरोगा जी को लिखित शिकायत दी है, उन्होंने बुलाने को कहा था लेकिन अभी तक कोई फोन नहीं आया। -पीड़ित संत

मुख्य बिंदुः स्थानः नौपेड्वा मंदिर, बक्सा, जौनपुर।

आरोपः 4 साल सेवा और विकास के बाद मंदिर से जबरन निष्कासन। विवाद की वजहः मंदिर के नाम पर ट्रस्ट का गठन और पद को लेकर मतभेद। पुलिस कार्रवाईः संत ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है और उचित न्याय की मांग की है।

साधना से साधक सिद्ध हो जाता है-पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज

लाल शेखर सिंह

बिहार (उत्तरशक्ति)। मुजफ्फरपुर, पानी टंकी चौक पर स्थित जिला स्कूल प्रांगण में आओ गाये रामकथा घर घर में इस आध्यत्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व हरियाणा सेवासंघ द्वारा 30 दिसम्बर तक आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से श्रोताओं को निवेदित करते हुए कहा कि भगवान शिव देव नही महादेव हैं किंतु भगवान राम और कृष्ण देव नही है ये साक्षात ब्रह्म हैं। अपने श्रेष्ठ से कुशलक्षेम कभी नही पूछना चाहिए। सती और दक्ष प्रजापति के प्रसंग की चर्चा करते हुए पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि जिसका चिंतन सार्थक नही होता उसे कभी कोई समर्थक नही मिलता। साधक को मान अपमान की परिधि से परे होना चाहिए। मानस के व्यवहार घाट के ओजस्वी वक्ता प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि,अपनी जाति में निरादर मिलने पर पहले लोग प्राण त्याग देते थे अब लोग स्थान त्याग देते हैं क्योंकि अब लोग जाति की परवाह करना छोड़ चुके हैं। हमारे जीवन का प्रत्येक सत्कर्म किसी के अपमान के लिए नही,सब के सम्मान के लिए होना चाहिए।जगत में जीव का पहला कर्तव्य है कि वह भगवान का कार्य करने के पश्चात ही जगत व्यवहार में उतरे क्योंकि हमारा यह जीवन भगवान के द्वारा ही दी हुई कृपा प्रसादी है। साधना के महात्म्य को प्रकाशित करते हुए पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि साधना के परिणाम से मां पार्वती का नाम परिवर्तित होकर अपर्णा हो गया,यह इस प्रसंग का संदेश है कि॰साधना से साधक सिद्ध हो जाता है।

पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने आज की सामाजिक व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल पारिवारिक समन्वय बहुत कम ही दिखाई देता है समन्वय वहीं दिखाई देता है जहाँ संस्कार होते हैं। असहज भाव में रहने वाले लोगों में संस्कार नही दिखाई देता। जीव की विडंबना को इंगित करते हुए कथा व्यास ने कहा कि, जीव का स्वभाव है कि वह मृत्यु से नही डरता, वह डरता है अपने सुख के छीने जाने से। कथा प्रवाह मेंप्रसंगानुसार॰ठहरी नही ये जिंदगी॰,॰भूतवा नचाइ देइ देइ सगरो ताल॰,दुलहा के अजबे सुरतिया बाप रे बाप जैसे लोकप्रिय भजनों और पारंपरिक मंगल गीतों को प्रेमभूषण महाराज ने अपनी विशिष्ट शैली में सुना कर कथा में उमड़े अपार जन समूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

16 साल बाद दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। 29/4/2009 को रात 10:00 बजे से 2/5/2009 को शाम 5:30 बजे के बीच बिलाल पाड़ा, खंडोबा मंदिर के पास, नालासोपारा पूर्व में, मृतक विनोद शंकरलाल जायसवाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी वर्षा टावर, बी/401 साईबाबा नगर न्यू पेट्रोल पंप, भायंदर रोड के पास, मीरा रोड पूर्व के है। आरोपी 1 कैलाश ललन यादव, उम्र 38 वर्ष, निवासी रिवेरा हाउस, सोसा, जी/204 लोढा हाई रोड, डोंबिवली पूर्व, 2 विनय उर्फ अजय, पूरा नाम अज्ञात। दोनों बिलाल पाड़ा, नालासोपारा पूर्व के निवासी हैं। 3 धर्मेंद्र रामाशंकर सोनी, पूरा नाम अज्ञात। 4 श्रीमती किरण धर्मेंद्र मृतक से मिलीं और जब वह दलाली की रकम लेने आरोपियों के पास आया, तो आरोपियों ने मिलीभगत से उसके हाथ-पैर नायलॉन की रस्सी और साड़ी से बांध दिए, तौलिये से गला घोंट दिया और उसके मुंह पर कपड़ा लपेटकर उसकी हत्या कर दी। नालासोपारा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया, जी.आर. संख्या 137/2009। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार, अपराध जांच दल के अधिकारियों और अनमलदार ने इस अपराध के मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अपराध करने के बाद अपनी पहचान छुपा रहा था और मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के इटारसी में रह रहा था। एक गुप्त सूचना के माध्यम से सूचना मिलने पर, नायगांव पूर्व क्षेत्र में जाल बिछाया गया और सूचना के अनुसार, मुख्य आरोपी अविनाश लालता प्रसाद सोनी, उम्र 42 वर्ष, पेशा सुनार, पता कमरा नंबर 2103/03, सी विंग, सनटेक बेस्ट वर्ल्ड, नायगांव पूर्व, तहसील वसई, जिला पालघर को हिरासत में लिया गया। जांच में अपराध स्वीकार करने के बाद, उसे 22/12/2025 को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान, उक्त आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने 1998 में होली के दिन उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की थी। आजमगढ़ के कोतवाली पुलिस स्टेशन से अपराध की सूचना मिलने के बाद हम आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, सुहास बावचे, पुलिस उपायुक्त, जोन 03, सुनील जया भाई, सहायक पुलिस आयुक्त नालासोपारा, विशाल वलवी, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, नालासोपारा पुलिस स्टेशन, कुमार गौरव धडवाड, पुलिस निरीक्षक (अपराध) अपराध जांच शाखा सपोनी राजेंद्र चंदनकर, पौपानी रंगनाथ गिते, पोहवा प्रशांत सालुंके, पोना अमोल तटकर, पो. एन कल्याण बचकर, राजेश नातुलकर, प्रेम घोडेराव, प्रताप शिंदे, बाबासाहेब बनसोडे, द्वारा किया गया।

राजपुरोहित विकास संघ फालना में जगदीश पुरोहित एवं दिलीप सिंह बसंत का भव्य स्वागत

फालना। आदर्श ग्रुप, मुंबई से जुड़े जगदीश पुरोहित (पुत्र पुरुषोत्तमदास), ठिकाना बसंत का 22 दिसंबर 2025 को राजपुरोहित विकास संघ राजस्थान के फालना में आगमन हुआ। उनके साथ दिलीपसिंह पुरोहित बसंत, शिवसेना (शिंदे) के राजस्थान प्रभारी भी उपस्थित रहे।

संघ परिसर में अतिथियों का भव्य स्वागत अध्यक्ष हरि सिंह व्यास (बोया), महामंत्री नारायण सिंह बारवा (फालना) एवं कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह चांचोड़ी (फालना) के द्वारा माल्यार्पण व साफा पहनाकर किया गया। इस अवसर पर जगदीश पुरोहित ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें अच्छे नागरिक बनकर राष्ट्रहित में सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भविष्य में शिक्षा क्षेत्र में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनका परिवार राजपुरोहित विकास संघ फालना की नींव से जुड़ा रहा है तथा राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन की प्रेरणा से पी. एच. पुरोहित (रावतसिंह) चेरिटेबल ट्रस्ट, आदर्श होटल मुंबई द्वारा विद्यार्थियों की पढ़ाई हेतु स्मार्ट बोर्ड लगवाए गए हैं, जिससे आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा मिल सके और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग हो। वहीं दिलीपसिंह पुरोहित बसंत ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज को अभी कई और ऊँचाइयाँ प्राप्त करनी हैं और इस दिशा में आगे बढ़ने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों पर है। कार्यक्रम में अध्यक्ष हरि सिंह व्यास, महामंत्री नारायण सिंह बारवा एवं कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह चांचोड़ी ने भी अपने उद्बोधन से छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों के साथ अतिथियों का स्वागत कर अपनी सहभागिता निभाई।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में डीएम ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई तथा उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से फीडबैक भी प्राप्त किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद में ए0एस0डी0 डिस्क्रिपेंसी बहुत कम है निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना अत्यंत आवश्यक है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अंतिम तिथि 26 दिसंबर 2025 निर्धारित है, अतः इस अवधि में शेष सभी अवशेष कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने नो मैपिंग की स्थिति के संबंध में जानकारी देते हुए सभी इआरओ को निर्देशित किया कि दस प्रतिशत से कम पर इसे ले आए,

उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने स्तर से भी आमजन को जागरूक करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, बीजेपी से यादवेंद्र मिश्रा, सुदर्शन सिंह, स्कंद पटेल, कांग्रेस से राकेश सिंह डब्बू, मोहम्मद आरिफ खान, शाहनवाज, बसपा से चंद्रेज भारती, विनय राव, सपा से श्यामबहादुर, हीरालाल विश्वकर्मा, अपना दल एस से जयप्रकाश पटेल, लालबहादुर पटेल सीपीआई एम से के. एस. रघुवंशी, सहित अन्य सम्मानित प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जायसवाल समाज द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष का सम्मान समारोह का आयोजन

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जायसवाल समाज द्वारा मंगलवार की शाम नगर के गांधी नगर कलेक्टरगंज स्थित फड़ पर सम्मान समारोह एवं कम्बल वितरण का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने किया। सम्मान समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति को समाज के लोगों ने सम्मानित किया। जिसके बाद बतौर मुख्य अतिथि प्रजापति के हाथों 245 जरुरतमंद लोगों को कम्बल दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने समाज के उक्त कार्य की प्रशंसा करते हुए समाज के गरीब और जरुरतमंद लोगों की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताया। उन्होंने लोगों से एसआईआर अभियान में गंभीरता के साथ हिस्सा लेकर मतदाताओं के नाम जुड़वाने की अपील की। वहीं जायसवाल समाज व श्रीराम लीला समिति के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने बताया कि समाज समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनसेवा का कार्य करते हैं। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष चिंताहरण शर्मा, कालीचरण जायसवाल, संदीप जायसवाल, उमेश जायसवाल, चंदन कुमार जायसवाल पत्रकार, रजनीश अप्पू, कमलेश अग्रहरि, श्याम जी गुप्ता, धीरज सोनी, अमन जायसवाल, किशन जायसवाल, अर्पित जायसवाल, विक्की चौधरी, महेश लालवानी, शनि कुमार, मुस्तकीम अहमद ,वेद प्रकाश जायसवाल, रविकांत जायसवाल ,धीरज पाटिल, सिकंदर साहू सभासद समेत भारी संख्या में समाज के लोग व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योगदान अभियान के साथ क्रिसमस मनाया

मुंबई। अपनी निरंतर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहलों के तहत, वैश्विक शिक्षा सेवाओं की अग्रणी संस्था ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल इंडिया ने क्रिसमस के अवसर पर एक योगदान अभियान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्नेहसदन के संरक्षण में रह रहे बेघर बच्चों की सहायता करना था। यह अभियान करुणा की भावना से प्रेरित था और बच्चों की पोषण, स्वच्छता एवं समग्र कल्याण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित रहा, जो संगठन के मूल मूल्य केयर के अनुरूप है।स्नेहसदन मुंबई स्थित एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो बेघर और जोखिम में रह रहे बच्चों के साथ निकटता से कार्य करती है।